संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21,अंक - 319 मंगलवार 23 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

सक्षिप्त समाचार

जीएसटी रिफॉर्म से खरीदारी और बचत में होगी ऐतिहासिक वृद्धि : नड्डा

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को लाजपत नगर स्थित अमर कॉलोनी बाजार में जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत व्यापारियों और दुकानदारों से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उन्होंने दुकानदारों से जीएसटी पर चर्चा की और उन्हें स्वदेशी सामान को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। नड्डा ने मीडिया से कहा कि आने वाला माह त्योहारों वाला है, जिसमें जीएसटी रिफॉर्म से खरीदारी में भी बढ़ोतरी होगी और बचत में ऐतिहासिक वृद्धि होगी। टैक्स में मिली छूट से करोड़ों उपभोक्ताओं के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आएंगे व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। उत्सवों के शुभ अवसर पर देशवासियों को 'जीएसटी बचत उत्सव' के रूप में अभिनव उपहार प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आभार। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन मुझे अमर कॉलोनी के दुकानदारों और व्यापारियों से बातचीत करने का अवसर मिला। व्यापारियों को बधाई देने के साथ-साथ प्रधानमंत्री का संदेश उन तक पहुंचाया। दुकानदारों ने नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों को स्वीकार किया है।

लाल आतंक की रीढ़ तोड़ी जा रही है : अमित शाह

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शीर्ष नक्सली नेताओं का सफाया कर दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे नक्सलवाद के खिलाफ एक बड़ी जीत बताते हुए कहा कि हमारे सुरक्षाबल लगातार संगठित रणनीति के तहत नक्सलियों के शीर्ष नेतृत्व को खत्म कर रहे हैं और लाल आतंक की रीढ़ तोड़ रहे हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान केंद्रीय समिति सदस्य कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा,आज हमारे सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में हमारे बलों ने दो केंद्रीय समिति सदस्य नक्सल नेताओं का सफाया कर दिया। यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि सुरक्षा बल देश से नक्सलवाद का खात्मा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सुरक्षाबलों ने अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से दो वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद किए हैं।

कांग्रेस ने नॉर्थईस्ट को नजरअंदाज किया:पीएम मोदी

हम 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं,त्रिपुरा में री-डेवलप्ड त्रिपुर सुंदरी मंदिर का उद्घाटन किया...

त्रिपुरा,22 सितम्बर 2025 (ए)। पीएम सोमवार को अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के दौरे पर हैं। उन्होंने अरुणाचल के ईटानगर में 5,100 करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। उन्होंने कहा,अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। हमारा पूरा नॉर्थ ईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाई। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं, नेशन फर्स्ट की भावना है। पीएम ने कहा...जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है। हमने नॉर्थ ईस्ट में लास्ट माइल कनेक्टिविटी को अपनी सरकार की पहचान बनाया और यहां के 8 राज्यों को अष्टलक्ष्मी माना है। नॉर्थ-ईस्ट में 8 राज्य अरुणाचल, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं। अरुणाचल के बाद पीएम मोदी त्रिपुरा पहुंचे। उन्होंने माताबाड़ी स्थित री-डेवलप्ड माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर का उद्घाटन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में एक प्रदर्शनी को भी देखा। यह मंदिर 51 'शक्ति पीठों' में से एक है। मंदिर का पुनर्निर्माण 52 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है।

अरुणाचल का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक : मोदी

यहां का हर व्यक्ति शौर्य और साहस का प्रतीक है। अरुणाचल मैं कई बार आया हूं। इसलिए यहां की ढेर सारी यादें मेरे साथ जुड़ी हुई हैं। उनका स्मरण भी मुझे भी अच्छा लगता है। तवांग मठ से लेकर स्वर्ण पगोडा तक अरुणाचल शांति का संगम हैं, मां भारती का गौरव है। मैं इस पुण्यभूमि को प्रणाम करता हूं।

कांग्रेस ने अरुणाचल को नजरअंदाज किया : मोदी

अरुणाचल को कांग्रेस ने नजरअंदाज किया। इसी वजह से हमारा पूरा नॉर्थईस्ट छूट गया। जब मुझे सेवा का अवसर दिया तो मैंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान ली। हमारी प्रेरणा इसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं,नेशन फर्स्ट की भावना है। देश पहले, हमारा एक ही मंत्र है,नागरिक देवो भवः। जिनको कभी किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। इसलिए जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने भुला दिया था वो 2014 के बाद विकास की प्राथमिकता बन गया है।

नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्य अष्टलक्ष्मी : मोदी

हम नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्यों की अष्टलक्ष्मी मानते हैं। यहां के विकास के लिए केंद्र सरकार ज्यादा से ज्यादा पैसे खर्च कर रही है। बीजेपी ने अरुणाचल को 16 गुना ज्यादा पैसा दिया है। ये सिर्फ टैक्स का पैसा है। इसके अलावा जो भारत सरकार अलग अलग स्कीम के तहत खर्च कर रही है वो तो अलग ही है,इसलिए यहां आप इतना तेज विकास देख रहे हैं। जब नेक नीयत से काम होता है,जब प्रयासों में ईमानदारी होती है तो नतीजे दिखते हैं। आज मुझे यहां सुंदर पर्वतों के दर्शन का सौभाग्य मिला। नवरात्र के पहले दिन आज सब मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं जो पर्वतराज हिमालय की बेटी हैं। दूसरी वजह- आज से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो रहा है। जनता जर्नादन को डबल बोनांजा मिला है।

पाकिस्तान एयरफोर्स ने अपने ही लोगों पर बमबारी की

महिलाओं-बच्चों समेत 30 की मौत,सेना बोली- यहां तालिबान बम बना रहा था

इस्लामाबाद,22 सितम्बर 2025 (ए)। पाकिस्तानी वायुसेना ने अपने ही देशवासियों पर चीन के जे-17 विमानों से 8 लेजर-गाइडेड बम गिराए। पाकिस्तानी वायुसेना ने यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के एक गांव पर किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हवाई हमले में करीब 30 लोग मारे गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि,न्यूज एजेंसी ने 24 लोगों के मारे जाने की बात कही है।

इस हमले से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं,लेकिन उनकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सेना का कहना है कि इन हमलों का टारगेट तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का बम बनाने वाला ठिकाना था। लोकल पुलिस ने मीडिया को बताया कि टीटीपी के दो कमांडर, अमान गुल और मसूद खान बम बनाकर मस्जिदों में छिपा रहे थे।

आरोप- सेना पुख्ता जानकारी के बिना हमले कर रही : इलाके के लोगों का कहना है कि सरकार और सेना पुख्ता जानकारी के बिना हमले कर रही है, जिससे आम लोग मर रहे हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस घटना की तुरंत और निष्पक्ष जांच की मांग की है। एचआरसीपी ने अपने बयान में कहा- सरकार का काम है कि वह हर नागरिक की जान की रक्षा करे,लेकिन वह ऐसा करने में बार-बार नाकाम रही है। डॉन न्यूज ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि जेट विमानों ने चार घरों पर हमला किया, जो पूरी तरह से तबाह हो गए। हालांकि, यह साफ नहीं है कि यह हमला किसने किया। खैबर के सांसद मोहम्मद इकबाल खान अफरीदी ने कहा कि जेट्स की बमबारी में नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने लोगों से घटनास्थल पर जाकर विरोध करने को कहा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 (ए)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 215 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज ईसीआईआर रद्द करने की उनकी याचिका पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद कहा,हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे। अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के 3 जुलाई के फैसले को बरकरार रखा,जिसमें जैकलीन की याचिका खारिज कर दी गई थी। यह मामला कुख्यात ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जो दिल्ली की

मंडोली जेल में बंद है। सुकेश पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह की पत्नियों से 215 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की, जिसमें जैकलीन का नाम सामने आया। ईडी का दावा है कि सुकेश ने जैकलीन को 7.27 करोड़ रुपये के महंगे तोहफे जैसे ज्वेलरी, डिजाइनर बैग, कपड़े और वाहन दिए, जो ठगी के धन से खरीदे गए थे।

पीएम का 1600 करोड़ का पैकेज अन्याय,पंजाब में बाढ़ से 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ : राहुल

पंजाब,22 सितम्बर 2025 (ए)। पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से घोषित प्रारंभिक राहत पैकेज पर सवाल उठाया है। उन्होंने इसे पंजाब के लोगों के साथ अन्याय बताया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री से एक बड़ा राहत पैकेज जारी करने की अपील की है। राहुल गांधी ने पोस्ट में एक 10 मिनट का वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें लोगों से हुई उनकी बातचीत शामिल है। यह बातचीत उन्होंने बाढ़ आने के बाद पंजाब दौरे के दौरान लोगों से की थी। बता दें कि बीते सोमवार को ही राहुल गांधी पंजाब के दौरे पर आए थे।

20 हजार करोड़ का नुकसान

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट में लिखा है- पंजाब को बाढ़ की वजह से लगभग 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री की ओर से घोषित 1600 करोड़ का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है।

4 लाख एकड़ फसल बर्बाद

उन्होंने लिखा- लाखों घर उजड़ गए, 4 लाख एकड़ से ज्यादा की फसल बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में जानवर बह गए हैं। फिर भी पंजाब के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और जज्बा दिखाया है।

पीएम व्यापक राहत पैकेज दें...

राहुल गांधी ने लिखा- मुझे पूरा विश्वास है कि वे (पंजाब के लोग) एक बार फिर पंजाब को खड़ा करेंगे, उन्हें बस सहारे और मजबूती की जरूरत है। मैं प्रधानमंत्री से फिर से आग्रह करता हूं कि तुरंत एक व्यापक राहत पैकेज जारी करें।

सैटेलाइट्स की सुरक्षा के लिए भारत बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाएगा

अंतरिक्ष में संदिग्ध गतिविधि भी पता चलेगी,एक देश का उपग्रह 1 किलोमीटर पास से गुजरा था

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 (ए)। अंतरिक्ष में बढ़ते खतरे और दुश्मन देशों की सैटेलाइट गतिविधियों को देखते हुए भारत सरकार अपने उपग्रहों की सुरक्षा मजबूत करने की योजना बना रही है। मोदी सरकार अब ऐसे खास बॉडीगार्ड सैटेलाइट बनाने की तैयारी कर रही है, जो अंतरिक्ष में भारतीय सैटेलाइट की सुरक्षा करेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत जवाब देंगे।

ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, इस तैयारी को तेजी तब मिली जब 2024 के बीच एक पड़ोसी देश का सैटेलाइट इसरो के सैटेलाइट के सिर्फ 1 किलोमीटर पास से गुजरा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह सैटेलाइट 500-600 किलोमीटर की ऊंचाई पर था और मैपिंग और जमीन की निगरानी जैसे सैन्य काम कर रहा था। हालांकि, दोनों सैटेलाइट्स टक्कर तो नहीं हुई, लेकिन यह घटना जानकारों के अनुसार दूसरे देश की ताकत दिखाने की कोशिश हो सकती है। सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर LiDAR सैटेलाइट और ग्राउंड-बेस्ड रडार जैसे सिस्टम पर काम कर रही है, जिससे खतरों को समय रहते पहचान कर सैटेलाइट को सुरक्षित पोजिशन पर भेजा जा सके।

एयर मार्शल ने जून में अंतरिक्ष सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी थी

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने जून में सर्विलांस एंड इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स इंडिया सेमिनार चेतावनी दी थी कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तेजी से अंतरिक्ष क्षमता बढ़ा रही है और यह भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

4 साल में 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट लॉन्च किए जाएंगे

सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले 4 साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, ये सभी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे। सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड होंगे। 36 हजार किमी. ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी। यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3' योजना बनाई है। इसके लिए 26,968 करोड़ का बजट है। इसे अक्टूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी।

पीओके बिना हमला किए वापस मिलेगा एक दिन खुद कहेगा...मैं भारत हूं:राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत को बिना किसी लड़ाई या हमले के अपने आप मिल जाएगा। पीओके के लोग खुद आजादी की मांग कर रहे हैं और एक दिन वे कहेंगे, मैं भी भारत हूं। राजनाथ सिंह ने यह बात मोरक्को में भारतीय समुदाय से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने याद दिलाया कि पांच साल पहले कश्मीर में सेना के एक कार्यक्रम में भी उन्होंने यही बात कही थी। यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहा है कि हमने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके को कब्जाने का मौका गंवा दिया गया। उस समय भारतीय वायुसेना ने कई पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराए थे,लेकिन सरकार ने सीजफायर मान लिया। दरअसल,राजनाथ सिंह दो दिन के दौरे पर मोरक्को पहुंचे हैं। यहां उन्होंने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के नए व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म 8×8 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया। यह अफ्रीका में किसी भारतीय रक्षा कंपनी का पहला संयंत्र है।

राजनाथ बोले... मसूद अजहर का परिवार तबाह किया

राजनाथ सिंह ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के अगले ही दिन छ्ष्ठस्, तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में उन्होंने पूछा था कि अगर सरकार आदेश दे तो क्या सेना तैयार है। सिंह ने बताया,उन्होंने बिना एक पल गंवाए कहा कि बिल्कुल तैयार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने हमें पूरी छूट दी और आपने नतीजा देखा कि सीमा पर नहीं, बल्कि 100 किमी अंदर जाकर आतंकी ठिकाने तबाह किए गए। जैश-ए-मोहम्मद का एक बड़ा आतंकी कह रहा था कि मसूद अजहर के परिवार को भारत ने तबाह कर दिया।

राजनाथ ने कहा...हमने धर्म नहीं, कर्म देखकर मारा : रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकियों को उनके धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्म (अपराध) देखकर मार गिराया। उन्होंने कहा, आतंकवादी हमारे लोगों को धर्म पूछकर मारते हैं,लेकिन भारत ने उनका धर्म नहीं देखा, सिर्फ उनके बुरे काम देखकर जवाब दिया है।

राजनाथ सिंह मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लाउदियी के साथ बैठक करेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर एक समझौता होने की संभावना है। इस समझौते के तहत प्रशिक्षण,रक्षा उद्योग और नौसेना के सहयोग को बढ़ाया जाएगा। भारतीय नौसेना के जहाज पहले भी अक्सर मोरक्को के कासाब्लांका बंदरगाह जाते रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत भारत ने बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद सहित पाकिस्तान के 7 शहरों में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया था,जिनमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

यूपी में जाति आधारित रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध

लखनऊ,22 सितम्बर 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने जाति आधारित राजनीतिक रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट के 16 सितंबर के आदेश के अनुपालन में लिया गया है,जिसमें जातिगत संघर्षों को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर चिंता जताई गई थी। कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने रविवार देर रात सभी जिलाधिकारियों,सचिवों और पुलिस प्रमुखों को 10 सूत्रीय निर्देश जारी किए, जिसमें कहा गया कि ऐसी रैलियां समाज में जातिगत तनाव पैदा करती हैं और सार्वजनिक व्यवस्था तथा राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा हैं। आदेश के अनुसार,पूरे राज्य में जाति आधारित रैलियों पर सख्ती बरती जाएगी। पुलिस रिकॉर्ड, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो आदि में आरोपी या गवाहों की जाति का उल्लेख हटाया जाएगा, जिसकी जगह माता-पिता के नाम जोड़े जाएंगे। थानों के नोटिस बोर्ड, वाहनों और साइनबोर्ड्स से जातीय संकेत,नारे या प्रतीक हटाए जाएंगे। सोशल मीडिया पर भी जाति प्रशंसा या घृणा फैलाने वाली सामग्री की सख्त निगरानी रखी जाएगी। हालांकि,एससी-एसटी एक्ट जैसे कानूनी मामलों में जाति उल्लेख की छूट रहेगी। आदेश के पालन के लिए एसओपी और पुलिस नियमावली में संशोधन किया जाएगा। यह कदम जाति आधारित राजनीति करने वाली पार्टियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी

और अपना दल जैसी पार्टियां चुनाव से पहले जातिगत सभाओं के जरिए समर्थन जुटाती हैं। 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए कई दल प्रचार अभियान तेज कर चुके थे,लेकिन अब उनकी रणनीति प्रभावित हो सकती है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या निर्देश दिए थे? दरअसल,हाईकोर्ट ने 16 सितंबर को एक पीआईएल में राज्य सरकार से केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में संशोधन कर निजी-सार्वजनिक वाहनों पर जाति आधारित नारों और चिह्नों पर स्पष्ट प्रतिबंध लगाने का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा था। कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत सोशल मीडिया पर जातिगत घृणा फैलाने वाली सामग्री के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

संपादकीय

ट्रंप ने बढ़ाई एच-1बी वीजा फीस आईटी सेक्टर को लगा बड़ा झटका

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में यह जता दिया है कि वह बिना किसी सार्वजनिक चर्चा या पूर्व सूचना के बड़े निर्णय लेने के लिए तैयार रहते हैं। एच-1बी वीजा के लिए फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर तक करने के उनके निर्णय के साथ भी लगभग यही बात लागू होती है। ट्रंप के इस फैसले ने उन लोगों के मन में कुछ हद तक चिंता बढ़ा दी जिनके पास इस समय एच-1 बी वीजा है। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि ट्रंप की घोषणा के बाद हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि,व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया है कि नया एच-1 बी वीजा फीस केवल नए आवेदकों पर ही लागू होगा। मगर इस बात का कतई भरोसा नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी सरकार इस आश्वासन पर कायम रहेगी। हालांकि,मौजूदा एच-1 बी वीजा धारकों को निश्चित रूप से कुछ हद तक राहत महसूस होगी। अमेरिका प्रशासन का यह निर्णय किस तरह अमल में लाया जाएगा और किन पर लागू होगा इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसा लग रहा है कि ट्रंप प्रशासन इस बात को लेकर गर्व महसूस कर रहा है कि उसे अपने निर्णयों पर किसी को सफाई देने की जरूरत नहीं है और बाहरी लोगों को तो बिल्कुल नहीं।

एच-1बी वीजा पर पर ट्रंप का निर्णय यह भी दर्शाता है कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में अधिक अतिवादी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में उनके अटॉर्नी जनरल ने एच-1 बी वीजा कार्यक्रम सीमित करने एवं उसमें सुधार का प्रयास किया था मगर उनकी यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई। दूसरे कार्यकाल के लिए ट्रंप के शपथ ग्रहण से ठीक पहले बड़ी तकनीकी कंपनियों के प्रमुख लोगों और 'अमेरिका फर्स्ट' गुट के लोगों के बीच चर्चा में एच-1 बी वीजा का मुद्दा फिर उठा। उस समय निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने ईलॉन मस्क के प्रतिनिधित्व वाले गुट की बात मान ली थी। मगर अब मस्क राष्ट्रपति ट्रंप से दूर जा चुके हैं और अमेरिकी कंपनियों ने व्हाइट हाउस की इच्छाओं के आगे झुकने की अपनी रजामंदी भी दे दी है। इस गठबंधन के कारोबारी पक्ष पर 'अमेरिका फर्स्ट' समर्थक हावी हो गए हैं। ट्रंप के इस निर्णय पर भारतीय अधिकारियों ने साहसिक रुख अख्तियार किया है। उन्हें लगता है कि भारत के अपने तकनीकी एवं स्टार्टअप क्षेत्र बड़ी संख्या में प्रतिभावान लोगों को अपने साथ जोड़ सकते हैं मगर इस बात को लेकर भी संदेह नहीं कि भारत की कई सूचना प्रौद्योगिकी-समर्थित सेवा कंपनियों के लिए गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। अमेरिका जितने एच-1 बी वीजा जारी करता है उनमें लगभग 70 फीसदी भारतीयों को मिलते हैं। और कुछ खबरों के अनुसार एच-1 बी लॉटरी में लगभग आधे स्लॉट आउटसोर्सिंग या स्टाफिंग कंपनियों द्वारा झटक लिए जाते हैं। उनके लिए स्वाभाविक रूप से यह एक बड़ा झटका होगा। इन कंपनियों ने जिन लोगों को एच-1बी वीजा पर बहाल किया उन्हें उनके काम के लिए औसत वेतन से भी कम रकम दी गई। उनके वेतन अल्फाबेट या मेटा द्वारा जा रही रकम से काफी होते हैं। इस तरह, स्पष्ट रूप से एक पुराना कारोबारी ढर्रा काम कर रहा था जिसमें ट्रंप की नई नीति के साथ खलल पड़ गई है। आईटी, खासकर आईटीईएस कंपनियों को निश्चित रूप से अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करना होगा। अमेरिका में उनके कारोबार प्रारूप को लेकर राजनीतिक माहौल बदल गया है। यूरोप सहित दूसरे क्षेत्रों में ऐसे बदलाव आ सकते हैं। वेतन लागत कम करना (वेज आर्बिट्राज) अब किसी कारोबारी योजना का ठोस हिस्सा नहीं रह गया है और न ही पहले की तरह प्रभावी ही है। उदाहरण के लिए उत्तरी इंगलैंड में आईटीईएस में किसी कर्मचारी के लिए औसत वेतन बेंगलूरु की तुलना में केवल दो या तीन गुना है।

तिहाड़ में खूंखार अपराधियों-आतंकियों की क़ब्रों पर 'आस्था' का सैलाब

दिल्ली की तिहाड़ जेल जो एशिया की सबसे बड़ी और सुरक्षित मानी जाने वाली जेल है,उसके भीतर हाल में एक ऐसा शर्मनाक और विचलित करने वाला दृश्य सामने आया है जिस पर समाज के हर जिम्मेदार नागरिक को गहराई से सोचने की आवश्यकता है। यह वही जेल है जहां देश के सबसे खूंखार आतंकवादी, अपराधी और दुर्दांत कैदी रखे जाते हैं। परंतु आश्चर्यजनक यह है कि यहां इन अपराधियों और आतंकवादियों के लिए कब्र के रूप में एक व्यवस्था खड़ी हो गई है और वहां का माहौल किसी मेले की तरह बना दिया गया है। जो स्थान अपराधियों और आतंकियों की धूर्तता और दहशत का प्रतीक होना चाहिए,वही अब उनके तथाकथित महिमामंडन का स्थल बन रहा है। दिल्ली की अदालतों में इस बाबत याचिकाएं भी दर्ज की गई हैं जिनमें इसे रोकने और इस पर ठोस नकेल कसने की मांग की गई है। मामला ऐसा है कि तिहाड़ जेल परिसर के भीतर कुछ अपराधियों और आतंकवादियों की मौत के बाद उनकी कब्र बनाई गई। समय के साथ इन कब्रों के आसपास स्थानीय स्तर पर एक भीड़ जुटने लगी और अंध विश्वास के चलते लोगों ने इसे आस्था का केंद्र बना डाला। जिन अपराधियों ने समाज को हिंसा,आतंक और खूनखराबे के सिवा कुछ नहीं दिया, आज उन्हीं की कब्रों पर श्रद्धांजलि देने, फूल चढ़ाने और मन्नत मांगने का ढोंग हो रहा है। कोई इसे अपने कारोबार के लिए शुभ मान रहा है तो कोई अपने निजी मामलों के लिए चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि अपराधियों के नाम पर बने इन स्थलों पर जुट रही भीड़ में अपराधियों की छवि को नायक का रूप दिया जा रहा है।

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार
लखनऊ (उ. प्र.)

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि तिहाड़ जेल जैसे अत्यंत संवेदनशील स्थान पर अपराधियों और आतंकियों के नाम पर कब्रें बनाना और वहां मेला-जैसा माहौल बनाना न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि पूरे समाज में अपराध और आतंक के प्रति गलत संदेश देता है। अदालत में दिए गए तर्कों में यह भी कहा गया कि अपराधियों का जत्था हमारे समाज का आदर्श नहीं बन सकता, फिर उनकी कब्र को किसी तरह की मान्यता देना न्याय और अपराध, दोनों के बीच की रेखा को धुंधला कर देगा। अदालत से यह मांग की गई है कि जेल परिसर से इन कब्रों को हटाया जाए और इस प्रकार की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। तिहाड़ जेल प्रशासन भी इस मामले में कठघरे में खड़ा है। यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर प्रशासनिक चूक के चलते ऐसी कब्रें कैसे बनने दी गई और वहां भीड़ जुटने से रोकने के लिए उचित और समय पर कदम क्यों नहीं उठाए गए। देश की सबसे बड़ी जेल से इस प्रकार की खबर बाहर आना प्रशासनिक लापरवाही का ही सुबूत है। यदि अपराधियों का महिमामंडन जेल के भीतर ही होने लगे और लोग उन्हें पूजने लगें, तो इसका सीधा असर जेल की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और समाज की मनोवृत्ति पर पड़ेगा। समाजशास्त्र के विशेषज्ञ इसे अत्यंत खतरनाक बताते हैं। उनका कहना है कि अपराधियों को किसी भी रूप में आदर्श या नायक बनाने की प्रक्रिया नई पीढ़ी के भीतर विकृत आदर्श गढ़ने का काम करती है। आज तिहाड़ जेल के भीतर जो हो रहा है, वह आने वाले कल में युवाओं के लिए यह संदेश देगा कि अपराध करके भी कोई मौत के बाद समाज में महिमामंडित हो सकता है। यह वह मानसिकता है जो अपराध को पनाह देती है और कानून के शासन को कमजोर करती है। इन कब्रों पर जुटने वाले लोगों में से कई ऐसे भी हैं जो अपराधियों की दबंग छवि से प्रभावित होकर उनसे प्रेरणा लेने की बात करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर खतरनाक नहीं है बल्कि समाज की व्यापक संरचना के लिए भी घातक है। अपराधियों और आतंकवादियों की छवि को महिमामंडित किया जाना उस दर्द और ग़म का अपमान है जो उनके पीड़ितों ने भोगा। जिन परिवारों ने अपने प्रिय जनों को आतंक और अपराध की भेंट चढ़ते देखा है, उनके लिए यह दृश्य और अधिक कचोटने वाला होगा जब वे देखेंगे कि उन्हीं अपराधियों और आतंकियों की कब्रों पर फूल चढ़ाए जा रहे हैं। इस तरह के दृश्य यह भी बताते हैं कि हमारे समाज में अंधविश्वास और गलत नायकों को पूजने की प्रवृत्ति किस हद तक गहरी है। यह स्थिति केवल तिहाड़ जेल तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि आने वाले समय में देश के अन्य हिस्सों में भी अपराधियों को**

नायक बनाने की संस्कृति को बढ़ा सकती है। इससे रोकथाम करना केवल प्रशासन की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अपराधियों को किसी भी रूप में पूजना एक सामाजिक अपराध है।

अदालत में दर्ज याचिकाओं पर सुनवाई जारी है और अदालत ने प्रशासन से जवाब मांगा है कि आखिरकार किस आधार पर इन कब्रों को बनने दिया गया और वहां आस्था के नाम पर भीड़ इकट्ठा होने से क्यों नहीं रोका गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इसमें प्रशासन की कोई मिलीभगत पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह फैसला आने वाले समय में इस प्रकार की घटनाओं के लिए मिसाल बनेगा। तिहाड़ जेल का मामला हमें यह याद दिलाता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रणाली का सबसे बड़ा उद्देश्य समाज को अपराध और भय से मुक्त रखना है। जब उस व्यवस्था की सबसे प्रतिष्ठित जेल ही अपराधियों का महिमामंडन करने लगे तो यह हमारे लिए चेतावनी की तरह है। ऐसे में आवश्यक है कि तुरंत कठोर कदम उठाकर इन कब्रों को हटाया जाए,वहां जुट रहे जमावड़े को पूरी तरह से रोका जाए और अपराधियों की किसी भी प्रकार से पूजा करने की प्रवृत्ति को कानून के दायरे में अपराध मानकर कार्रवाई की जाए। देश के करोड़ों नागरिक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि अदालत इस मसले पर कठोर निर्णय लेगी और प्रशासन अपनी लापरवाही का प्रायश्चित करेगा। क्योंकि यह केवल जेल प्रशासन या अदालत का विषय नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान और न्याय की रक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। खून से सनी कहानियों वाले अपराधियों को नायक या संत का चोला पहनाना भारतीय समाज के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक स्थिति है। अब समय आ गया है कि इस स्थिति को निर्णायक रूप से रोका जाए और तिहाड़ जैसे नामचीन स्थल पर कानून और न्याय की ही सत्ता कायम हो।

देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र

भारत भूमि को विश्व में उस संस्कृति के लिए जाना जाता है, जिसमें प्रकृति, शक्ति और तन-मन का संतुलन सर्वोच्च स्थान पर है। इस परंपरा के केंद्र में देवी शक्ति के विविध रूपों की पूजा और साधना का विशेष महत्व रहा है। इन्हीं महान पर्वों में से एक है 'शारदीय नवरात्र',जो आश्विन मास में प्रतिपदा तिथि से आरंभ होकर नौ दिनों तक चलता है और विजयादशमी को संपन्न होता है।आज इसका प्रथम दिन माँ शैली पुत्री को समर्पित है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान का काल नहीं, बल्कि साधना, संयम और आत्मशुद्धि का उत्सव माना जाता है। सनातन परंपरा में वर्ष भर चार नवरात्रों का उल्लेख है। चौत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ। इनमें से चौत्र और शारदीय नवरात्र अधिक प्रसिद्ध और व्यापक रूप से मनाए जाते हैं। शारदीय नवरात्र शरद ऋतु की शुरुआत में आता है। यह केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं,बल्कि प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन साधने का काल माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों की उपासना के लिए समर्पित होते हैं। कहा जाता है कि देवी सृष्टि में प्रेरणाशक्ति हैं और उन्हीं की साधना से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और विजय की प्राप्ति होती है। नवरात्र के प्रत्येक दिन देवी के अलग-अलग स्वरूप की पूजा होती है। प्रथम दिन पर्वतराज हिमालय की शैलपुत्री की पूजा होती है,जिनसे श्रद्धा और स्थिरता का संदेश मिलता है। दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी' की,तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा चौथे दिन दिन माँ कूष्मांडा पांचवे दिन स्कंदमाता'' छठे दिन माँ कात्यायनी' सातवें दिन माँ कालरात्रि आठवें माँ महागौरी और नौवें और अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है। माँ के इन नौ रूपों की उपासना मानव जीवन को स्थिरता, संयम, साहस, नवसृजन, करुणा, धर्मरक्षा, भयमुक्ति, पवित्रता और सिद्धि से संपन्न होने के लिये की जाती है। शारदीय नवरात्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू व्रत, उपवास और संयम है। उपवास केवल अन्न का त्याग ही नहीं,बल्कि विषय-वासना और नकारात्मक भावनाओं से भी दूरी बनाने का साधन माना गया है। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु इस अवधि में फलाहार करते हैं और माँ दुर्गा को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद का सेवन करते हैं। धर्मशास्त्रों में उल्लेख है कि इस समय मनुष्य की इच्छशक्ति और मानसिक दृढ़ता को शक्ति मिलती है। साथ ही, शरीर को भी शुद्ध करने के लिए यह उपवास सहायक होता है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन के समय साधारण भोजन की अपेक्षा हल्का और सात्त्विक आहार स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। नवरात्र के बाद दशम दिन 'विजयादशमी' मनाई जाती है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। इसी दिन भगवान राम ने रावण पर विजय पाई थी। विजयादशमी इसलिए केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि अंततः सत्य की ही विजय होती है। बहरहाल,देश के विभिन्न हिस्सों में शारदीय नवरात्र अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत के मंदिरों में सप्तशती पाठ और अखंड दुर्गा पूजा की परंपरा है। बंगाल और पूर्वी भारत में दुर्गा पूजा भव्य पंडालों,मूर्ति स्थापन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होती है। गुजरात में गरबा और डांडिया की विशेष परंपरा रही है, जहाँ

संजय सक्सेना
लखनऊ

स्त्री-पुरुष शक्ति स्वरूपा माँ की आराधना करते हुए नृत्य में भाग लेते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में रामलीला और रावण-दहन का आयोजन होता है। इन सभी रूपों में एक ही भाव छिपा होता है बुराई पर अच्छाई की विजय और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार। शारदीय नवरात्र केवल आस्था का पर्व ही नहीं,बल्कि जीवन को अनुशासित करने का अवसर भी है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ऋतु परिवर्तन के समय उपवास और सात्विक आहार शरीर को स्वास्थ्य देता है। ध्यान और जप मनःशांति प्रदान करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से यह पर्व आत्मशुद्धि और ईश्वर से एकात्म होने का उत्तम समय है। साधना और उपासना का यह क्रम मनुष्य को भीतर से मजबूत करता है और जीवन की कठिनाइयों से जूझने का साहस देता है। शारदीय नवरात्र केवल नौ दिनों का धार्मिक आयोजन भर नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व व्यक्ति को आत्मसंयम,आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक समृद्धि का संदेश देता है। नौ दिनों की भक्ति और साधना के पश्चात विजयदशमी का उत्सव हर मानव को यह प्रेरणा देता है कि चाहे जीवन में कितने ही संघर्ष क्यों न आएं, सत्य,धर्म और सदुण की विजय अवश्य होती है।

कविता

प्रिया देवांगन 'प्रियू' राजिम
जिला-गरियाबंद (छत्तीसगढ़)

बदलता परिवेश

कितना बदलेंगे अब रंग। दृश्य देख मन रहता दंग।।
सभी स्वार्थ के हैं इंसान। खुद संकट में डालें प्राण।।

काट रहे वन उपवन आज। करते महल बना कर राज।।
धधक रही जंगल में आग। लगा रहे कुदरत में दाग।।

सुबक रहे हैं शीशम साल। कहवा महुआ हैं बेहाल।।
चार चिरौंजी जामुन बेर। जाने कहाँ हुए हैं ढेर।।

बिखर गई चंदन की गंध। बिगड़ा नर-वन का संबंध।।
रेशम कीड़े करें विलाप। वन का नाश बना अभिशाप।।

खिले कहाँ से उपवन फूल। बची जहाँ बस मिट्टी धूल।।
धूमिल है इनकी पहचान। कल तक थे कानन की शान।।

नष्ट टहनियाँ पत्ते शाख। अंगारों में जलकर राख।।
भावुकता का घटता मोल। हे! मानव तू आँखें खोल।।

छुरी बगल में मुँह में राम। बेच लकड़ियाँ लेते दाम।।
मानव बिछा रहे हैं जाल। बुला रहे पर अपना काल।।

पुनः करो अब नव निर्माण। रहे सुरक्षित सबके प्राण।।
लें फिर नई कोंपलें श्वास। लाओ जग में नया उजास।।

भविष्य की राह दिखाता इंदौर का नो कार डे

पवन वर्मा-विनायक फीचर्स

भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में लगातार पहचान बनाने वाले इंदौर के एक और अभियान ने देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह पहल है नो कार डे। एक ऐसा दिन जब लोग अपनी निजी कारों का इस्तेमाल न करके पैदल चलने, साइकिल चलाने, ऑटो, ई-रिक्शा या सार्वजनिक परिवहन साधनों का सहारा लेते हैं। नो कार डे में यहां के संभागायुक्त हो या कलेक्टर या अन्य अफसर सभी कार की जगह पर दो पहिया वाहन पर चलते हैं। पहली नजर में यह एक प्रतीकात्मक कदम लग सकता है, लेकिन इसका संदेश गहरा है। इंदौर न केवल स्वच्छता की मिसाल पेश कर रहा है, बल्कि अब पर्यावरणीय जिम्मेदारी और टिकाऊ शहरी जीवनशैली की दिशा में भी उदाहरण बन रहा है। इंदौर में हर साल 22 सितंबर को नो कार डे मनाया जाता है। इस बार भी नो कार डे पर यहां के संभागायुक्त सुदाम खाडे और कलेक्टर शिवम वर्मा भी दो पहिया वाहनों पर घूमते हुए नजर आए।

कार संस्कृति और शहरों की समस्या : बीते तीन दशकों में भारत के शहरों में कारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। 1991 के उदारीकरण के बाद मध्यमवर्ग की आय बढ़ी,कार लोन सस्ते हुए और निजी गाड़ियों को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा। आज आलम यह है कि दिल्ली,मुंबई,बेंगलुरु,चैन्नई,पुणे, कोलकाता जैसे बढ़े शहरों से लेकर इंदौर, भोपाल, लखनऊ जैसे मध्यम आबादी वाले के साथ ही छोटे-छोटे शहरों की सड़कें कारों से पटी रहती हैं। कारें केवल ट्रैफिक जाम का कारण नहीं बनतीं, बल्कि वायु प्रदूषण, शोर प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं और ऊर्जा खपत की सबसे बड़ी जिम्मेदार भी हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के शहरों में वायु प्रदूषण का चालीस प्रतिशत हिस्सा परिवहन से आता है। इसमें सबसे बड़ा योगदान निजी कारों का है।

इंदौर की पहल क्यों खास : इंदौर जैसे शहर जहां हर साल लाखों लोग काम और शिक्षा के लिए आते हैं, वहां ट्रैफिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में नो कार डे जैसी पहल न केवल प्रतीकात्मक है बल्कि यह शहर को नई दिशा दिखाती है। इंदौर लंबे समय से नागरिक भागीदारी वाले अभियानों के लिए जाना जाता है। स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार पहले स्थान पर बने रहना इसका उदाहरण है। जब नगर निगम और प्रशासन ने नो कार डे मनाने का निर्णय लिया, तो इसमें आम नागरिक, संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सामाजिक संगठन और उद्योग जगत सभी ने सहयोग दिखाया। यह पहल इसलिए भी खास है क्योंकि यह केवल प्रशासनिक आदेश नहीं है। बल्कि इसमें जनसहभागिता को केंद्र में रखा गया है। लोग गर्व से सोशल मीडिया पर अपनी साइकिल चलाते, दो पहिया वाहन चलाते, पैदल चलते या ऑटो और बस का उपयोग करते हुए तस्वीरें साझा करते हैं।

पर्यावरण को भी मिलता है लाभ : कारों का प्रयोग कम होने से सबसे बड़ा फायदा वायु गुणवत्ता में सुधार के रूप में सामने आता है। इंदौर की आबादी और वाहन दबाव को देखते हुए यदि एक दिन में 10-15 प्रतिशत कारें भी सड़कों से हटें, तो पीएम 2.5 और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी हो सकती है। डीजल और पेट्रोल कारों से निकलने वाला कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर सीधे फेफड़ों और दिल की बीमारियों से जुड़ा है। पेट्रोल-डीजल की खपत कम होगी। भारत हर साल अरबों डॉलर का तेल आयात करता है। हॉर्न, इंजन की आवाज और जाम की स्थिति से पैदा शोर कम होगा।

आई लव मोहम्मद के नाम पर देश में दहशत का माहौल

संजय सक्सेना
लखनऊ

देश में इन दिनों जिस तरह से कुछ योजनाबद्ध तरीके से खतरनाक स्लोगनों के सहारे समाज में जहर घोला जा रहा है,उसने संपूर्ण राष्ट्र को चिंता में डाल दिया है। आई लव मोहम्मद जैसे दिखने वाले मासूम से प्रतीत होने वाले नारे जब राजनीतिक-धार्मिक मकसद से फैलाए जाते हैं और उसके सहारे हिंसक व उन्मादी समूह यह संदेश देने लगते हैं कि यदि किसी ने उनके विचारों या धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया तो उसके लिए केवल एक ही सजा है 'सिर तन से जुदा',तब यह मुहिम सिर्फ धार्मिक भावनाओं के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्र की कानून-व्यवस्था,सामाजिक एकता और शांति के लिए गहरी चुनौती बन जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह के उत्तेजक नारों और खतरनाक स्लोगनों की बाढ़ ने हालात को इतना बिगाड़ दिया है कि हर जगह तनाव और टकराव का वातावरण बन रहा है।

यह केवल नारे या दीवारों पर लिखी बात नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से अराजकता और भय का माहौल तैयार करने की साजिश है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ अतिवादी तत्व इस मुहिम का उपयोग समाज को बांटने और हिंसा भड़काने के लिए कर रहे हैं। जब भी खुली सड़क पर या साइबर माध्यमों में ऐसे नारे लगते हैं,तो वह अविश्वास और डर का वातावरण बनाते हैं। लोग सोचने लगते हैं कि देश की कानून-व्यवस्था इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी समूह किसी भी समय खुलेआम कानून को धता बताकर हिंसा का संदेश फैला सकता है और शासन-प्रशासन बेबस बना हुआ है। यह परिस्थिति न सिर्फ राज्य की सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल तोड़ती है, बल्कि आम नागरिक को भी यह अनुभव कराती है कि उसकी सुरक्षा और सम्मान खतरे में है। स्थितियों को और गंभीर बनाने वाला पक्ष यह है कि इन अराजक तत्वों को सीधे तौर पर कुछ ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं का संरक्षण प्राप्त है,जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्हें यह लगता है कि इस तरह के उग्र नारों और असामाजिक कार्यों को संरक्षण देकर वे किसी विशेष वर्ग का वोट बैंक हमेशा अपने साथ बनाए रखेंगे। यह बेहद शर्मनाक दृश्य है जब राष्ट्रविरोधी और अशांतिपूर्ण गतिविधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है। इससे न सिर्फ लोकतंत्र कमजोर होता है, बल्कि संविधान और कानून की गरिमा पर भी दुर्भावनापूर्ण चोट पहुंचती है।

ऐसे हालात में सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था पर पड़ती है। पुलिस और प्रशासन को हर उस समूह और व्यक्ति की पहचान करनी चाहिए जो इस तरह के खतरनाक स्लोगन लिखने, चिपकाने या फैलाने में शामिल हैं। नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए जब कोई खुलेआम 'गुस्ताख-ए-रसूल की एक ही सजा, सिर तन से जुदा' जैसे हिंसक नारे देता है, तो यह सीधे-सीधे देश की शांति और व्यवस्था के खिलाफ युद्ध जैसी घोषणा होती है। इसे किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे कृत्यों पर कठोरतम प्रावधानों के तहत तुरंत कार्रवाई हो।

कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो यह न केवल समाज में वैमनस्य फैलाने का अपराध है, बल्कि देश की अखंडता और आपसी सौहार्द पर सीधा प्रहार है। ऐसे में सिर्फ दिखावटी गिरफ्तारी या हल्की-फुल्की कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इन तत्वों के नेटवर्क को तोड़ना होगा, यह देखना होगा कि इनके पीछे किसकी वित्तीय व राजनीतिक मदद है और कौन इन्हें संरक्षण प्रदान कर रहा है। जब तक इस पूरे खेल को उजागर कर दोषियों को सख्त सजा नहीं दी जाती, तब तक यह मुहिम रुकने वाली नहीं है।ऐक्टिववियर यह भी जरूरी है कि इन आंदोलनों व नारों में शामिल लोगों को उदाहरणात्मक दंड मिले ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या समूह इस तरह की दुस्साहसिक हरकत करने का साहस न कर सके। देश में पहले भी कई बार देखा गया है कि जब सख्त कार्रवाई होती है तो अराजक तत्वों का हौसला टूटता है और वह पीछे हट जाते हैं। लेकिन जब ढिलाई बरती जाती है या राजनीतिक दबाव में मामलों को रफा-दफा कर दिया जाता है, तो यह तत्व और ज्यादा ताकतवर होकर उभर आते हैं।

इसलिए इस समय की मांग है कि सरकार और न्यायपालिका दोनों मिलकर ऐसे कठोर फैसले लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनें। इस पूरी स्थिति का दूसरा पहलू समाज में फैल रहा भय और असुरक्षा है। एक नागरिक के तौर पर हर व्यक्ति यह चाहता है कि वह बिना डर के अपने विचार रख सके, देश के हर हिस्से में सुरक्षित रह सके और प्रशासन उसकी सुरक्षा की गारंटी ले। जब सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक ऐसे हिंसक नारे फैलने लगते हैं, तो सामान्य नागरिक के मन में असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यह सीधे-सीधे लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है।

लोकतंत्र की बुनियाद यह है कि हर व्यक्ति कानून के नियमों के तहत स्वतंत्र और सुरक्षित जीवन जी सके। अतः यह बेहद जरूरी हो गया है कि राष्ट्र के सभी जिम्मेदार नागरिक मिलकर इस दुष्प्रचार और सांप्रदायिक जहरीले खेल के खिलाफ खड़े हों। सवाल यह भी उठता है कि इस मुहिम को चालू रखने वालों का असली मकसद क्या है। क्या वे सिर्फ धर्म के नाम पर भावनाएं भड़काना चाहते हैं, या फिर देश की स्थिरता और शांति को तोड़ना चाहते हैं। इसकी तह तक जाना और इसका भंडाफोड़ करना बेहद आवश्यक है। जब तक यह साफ नहीं होगा कि असली खिलाड़ी कौन है,तब तक इस खेल को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है। लेकिन यह निश्चित है कि इनके लक्ष्य राष्ट्र और समाज के लिए घातक हैं। ऐक्टिववियर इस सच्चाई को समझना भी आवश्यक है कि इस तरह के खतरनाक नारे न सिर्फ हिंदू और मुसलमानों के बीच दीवार खड़ी करते हैं, बल्कि दूसरे सभी समाजों को भी भय के घेरे में डालते हैं। जब समाज भयभीत होता है, तो वहां विकास, शिक्षा, रोजगार और प्रगति की राहें बंद हो जाती हैं। इसलिए इन नारों के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखने का सवाल नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के भविष्य और प्रगति से भी जुड़ा मामला है। अब सवाल है कि इस पर कार्रवाई कैसे हो। सबसे पहले सभी स्थानों पर फैले इन विवादित स्लोगनों को तुरंत हटाया जाना चाहिए। इसके बाद, ऐसे स्लोगन फैलाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह और समाज विरोधी कृत्यों के तहत मुकदमे दर्ज किए जाने चाहिए। सोशल मीडिया पर इसका प्रसार करने वाले खातों को तुरंत बंद कर, उन व्यक्तियों को न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए। नेताओं और राजनीतिक दलों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए,ताकि यह साफ हो कि कौन लोग राष्ट्रविरोधी तत्वों को संरक्षण दे रहे हैं। यदि राजनीतिक संरक्षण साबित हो तो उन नेताओं पर भी कठोर कार्रवाई हो, चाहे वे कितने ही बड़े पदों पर क्यों न हों।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पेट्रोल पंप के मैनेजर 12.50 लाख रुपए की गबनकर हुआ फरार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पेट्रोल पंप संचालक ने मैनेजर पर 12.50 रुपए गबन का आरोप लगाया है। संचालक ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। मामले में पुलिस मैनेजर के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गुदरी बाजार निवासी अरूणेन्द्र प्रताप सिंह का सकालो में कतराज फ्यूल्स नाम से पेट्रोल पंप संचालित है। वह पेट्रोल पंप की देखरेख के लिए मैनेजर राजेश कुमार गुप्ता निवासी गंगापुर को रखा था। संचालक ने 20 जून 2025 को निरीक्षण के दौरान राजेश से जब हिसाब मांगा गया तो वह करीब 12.5 लाख रुपए का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पूछताछ में उसने गबन स्वीकारते हुए जल्द राशि लौटाने का भरोसा दिलाया और बतौर गारंटी दो चेक 9 लाख और 3.5 लाख रुपये के दिए। लेकिन निर्धारित समय पर जब चेक बैंक में जमा किए गए, तो वे बाउंस हो गए। इतना ही नहीं, आरोपी 4 सितंबर 2025 को पेट्रोल पंप का महत्वपूर्ण रजिस्टर और अन्य दस्तावेज लेकर फरार हो गया। सचालक ने थाना गांधीनगर में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ 316 (4) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती मरीज के 7 हजार रुपये चोरी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती एक ऑटो चालक के जेब से 7 हजार रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित मोहम्मद जसीन नादाब, जो बिहार के मधेपुरा का निवासी है और बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी में ऑटो चलाता है,रविवार को ऑटो रिपेयरिंग के दौरान ऑटो लुढ़कने से वह उसमें फंस गया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। प्राथमिक इलाज के बाद उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां पहले आईसीयू और फिर सर्जिकल वार्ड यूनिट-3 में भर्ती किया गया। सोमवार सुबह 11.30 बजे अस्पताल का एक कर्मचारी ड्रेसिंग करने आया। मरहम-पट्टी के बाद जब जसीन ने अपने कपड़े टटोले, तो जेब में रखे 7 हजार रुपये गायब थे। उसने आशंका जताई कि मरहम-पट्टी करने वाला कर्मचारी पर पैसा चोरी करने का संदेह जताया है।

कीटनाशक का सेवन किए किशोर की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम सेदडार में एक किशोर 500 रुपये नहीं देने पर कीटनाशक का सेवन कर लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दिनेश्वर राम नामदेव पिता एमआर नामदेव 17 वर्ष, 17 सितम्बर को मोबाइल खरीदने के लिए रुपये कम पडने पर अपनी मां राजकुमारी से 500 रुपये मांग रहा था। मां जब रुपये नहीं दी तो नाराज होकर कीटनाशक का सेवन कर लिया। स्वजन उसे बगीचा स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां इलाज के दौरान स्वास्थ्य ठीक नहीं होने पर चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए उसे 19 सितम्बर को रिफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के इलाज के दौरान 21 सितम्बर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

शारदीय नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में लगी भक्तों की भीड़,प्रज्जवलित हुए मनोकामना ज्योति कलश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नवरात्रि के प्रथम दिवस माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ों वाली माता होता है। माता के इस स्वरूप की पूजा से भक्तों की मुरादें पूरी होतीं हैं। काफी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने मां के इस रूप की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं पहले दिन मां का खास श्रृंगार किया गया। इसके बाद शुभ मुहूर्त में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक,संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर,रघुनाथपुर मंदिर,शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। मंदिरों में देवी भागवत कथा, दुर्गा पाठ व भजन-कीर्तन किया जा रहा है। मां के दर्शन के लिए सुबह से ही महामाया मंदिर सहित दुर्गा मंदिर,गौरी मंदिर व अन्य मंदिरों में श्रद्धालओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी। सुबह से नवरात्रि के प्रथम दिवस हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। दोपहर में माता के मंदिर में मुख्य कलश स्थापित करने के बाद मंत्रोच्चारण के साथ ही विधिवत पूजन हुआ। इसके बाद सैकड़ों ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। माता के दरबार में ज्योत जलाकर भक्त मनौती पूरी होने की कामना करते नजर आए। सरगुजा रियासत व मां महामाया मंदिर के पुरोहित ने मंदिर में घट स्थापना कर अंबिकापुर कीं आराध्य मां महामाया की पूजा की। इस दौरान आम लोगों के लिए मंदिर का द्वार बंद कर दिया गया। लगभग 1 घंटे बाद माता का दरबार खुला और लोगों ने दर्शन किए। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देवी मंदिरों के अलावा लोगों ने अपने-अपने घरों में भी देवी पाठ किया। कई घरों में पूरे नौ दिनों तक दुर्गा पाठ व पूजा अर्चना की जाएगी। वहीं कई भक्त पूरे नौ दिनों तक उपवास रख कर नवरात्रि का व्रत रखते हैं। नौवें दिन पूर्णाहुति के बाद अपना व्रत तोड़ेंगे। शहर के विभिन्न समितियों द्वारा नौ दिनों तक मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। प्रथम दिवस जयस्तंभ चौक, ब्रम्ह रोड, सदर रोड, दर्रीपारा, सांड़बार बैरियर, कुंज विहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सरगवां, मायापुर, चांदनी चौक, विभिन्न जगहों पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मंत्रोच्चारण के साथ माता की प्रतिमा स्थापित की गई।

मुख्यमंत्री की पहल का असरःनानदमाली शाला में शिक्षक पदस्थापना से बच्चों की शिक्षा में आई गुणवत्ता

अभिभावकों ने की शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया की सराहना

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर चलाए जा रहे शिक्षक युक्तियुक्तकरण अभियान के परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। इसी कड़ी में प्राथमिक शाला नानदमाली में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की गई, जिससे विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण पूरी तरह बदल गया है। नानदमाली प्राथमिक शाला में वर्तमान में 123 विद्यार्थी दर्ज हैं। पहले शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित हो रही थी,लेकिन युक्तियुक्तकरण के तहत नवीन पदस्थापना होने से अब विद्यालय में कुल 5 शिक्षक उपलब्ध हैं जिसमें प्रधान पाठक श्रीमती पुष्पा बड़ा, सहायक शिक्षक श्री दीनानाथ कैवर्त, सहायक शिक्षक श्रीमती पुष्पा पंडो, सहायक शिक्षक श्री हरी चंद पटेल, युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत सहायक शिक्षक श्रीमती नीलिमा सिंह नवीन पदस्थापना हुई है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में बड़ा कदम : नवीन पदस्थापना के बाद पांचों शिक्षक अब बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने में लगे हुए हैं। विद्यालय में प्रत्येक कक्षा को समुचित शिक्षक मिलने से पढ़ाई अधिक व्यवस्थित और सरल ढंग से संचालित हो रही है। बच्चों को अब व्यक्तिगत मार्गदर्शन और पर्याप्त समय मिल रहा है, जिससे उनकी सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

अभिभावकों ने की शिक्षक की युक्तियुक्तकरण सराहना

विद्यालय में हुए बदलाव को लेकर अभिभावकों ने खुशी जाहिर की है। उनका कहना है कि पहले कक्षाओं में शिक्षकों की कमी से बच्चों की पढ़ाई अधूरी रह जाती थी,लेकिन अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से न केवल विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर सुधरेगा बल्कि गांव का शैक्षिक माहौल भी सकारात्मक बनेगा। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के मानकों के अनुरूप हर विद्यालय में शिक्षक-छात्र अनुपात संतुलित रखने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है,ताकि किसी भी बच्चे का भविष्य संसाधनों की कमी से प्रभावित न हो।

अंबिकापुर में बढ़ती मोबाइल चोरी सक्रिय गिरोहों से जनता परेशान साइबर अपराधों का भी खतरा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर और आस-पास के बाजारों में मोबाइल चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। जिससे न सिर्फ लोगों की निजी सुरक्षा खतरे में पड़ रही है, बल्कि साइबर अपराधों के मामलों में भी तेजी देखी जा रही है। सार्वजनिक स्थानों,भीड़-भाड़ वाले बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और धार्मिक आयोजनों में मोबाइल चोरी आम हो चुकी है। अपराधियों के अलग-अलग गिरोह सक्रिय हैं जो चोरी की विभिन्न तरकीबों का इस्तेमाल कर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। सरगुजा पुलिस ने लोगों को जागरुक रहने की अपील की है। एसपी राजेश अग्रवाल न बताया कि मोबाइल सिर्फ एक डिवाइस नहीं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान और वित्तीय जानकारी का भंडार होता है। चोरी के बाद चोर मोबाइल का इस्तेमाल केवल उसे बेचने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उससे जुड़े साइबर अपराधों को भी अंजाम देते हैं। जेबकतरे गिरोह-ये गिरोह विशेष रूप से भीड़-भाड़ वाले इलाकों में काम करते हैं। वे बड़ी चतुराई से लोगों की जेब से मोबाइल फोन निकाल लेते हैं और भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो जाते हैं। झपटमार गिरोह - ये अपराधी बाइक या स्कूटर पर सवार होकर चलते लोगों के हाथ से मोबाइल झपटते हैं। अक्सर यह वारदात सडक़ किनारे या ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े लोगों के साथ होती है। नकली खरीदार गिरोह- मोबाइल दुकानों में ये अपराधी ग्राहक बनकर पहुंचते हैं और मौका मिलते ही महंगे मोबाइल लेकर भाग जाते हैं। यदि फोन लॉक नहीं है या पासवर्ड कमजोर है, तो चोर यूपीआई ऐप्स (गुगल पे, फोन पे, पेटियम) या डिजिटल वॉलेट के माध्यम से पैसे निकाल सकता है। यदि बैंकिंग ऐप्स लॉग इन स्थिति में हैं, तो चोर खातों से सीधा ट्रांसफर कर सकता है।

सरगुजा अंचल के विद्यार्थियों को मिल रहा एडवांस ड्रोन का प्रशिक्षण

लखनपुर के पीएम श्री स्कूल में पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जैसे दूरस्थ अंचल के विद्यार्थियों को ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर के पीएम श्री स्कूल में आज प्रशिक्षण की शुरूआत की। इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी पर 30 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा,इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से जोड़ना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के कौशल विकास से जुड़ी नई योजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिससे प्रदेश का आने वाला भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को नई दिशा देकर रोजगार और नवाचार के अवसरों से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर व प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत 53 बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया और विद्यालय में नए वाटर कूलर का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों को कलेक्टर जनदर्शन में मिली राहत,तत्काल प्रदान की गई ट्राईसाईकिल

कलेक्टर ने आवेदनों का समयबद्ध निराकरण का दिया निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं व मांगों से कलेक्टर को अवगत कराया। जनदर्शन के दौरान तहसील बतौली के ग्राम झरगांव निवासी दिव्यांग श्री गुड्डू तथा ग्राम देवरी निवासी दिव्यांग श्री रामकुमार पैकरा द्वारा ट्राईसाईकिल की मांग को आवेदन दिया। कलेक्टर श्री भोसकर ने दिव्यांगजनों की आवश्यकता को तत्काल संज्ञान में लेते हुए समाज कल्याण विभाग को त्वरित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री वी. के. उईके द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर दोनों दिव्यांगजनों को तत्काल ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराई गई। ट्राईसाईकिल प्राप्त कर लाभान्वित दिव्यांगजनों ने शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें आवागमन में सुविधा होगी एवं समय की भी बचत होगी। जनदर्शन में अतिक्रमण हटाने, नक्शा-खसरा सुधार, राजस्व संबंधी प्रकरणों, वन अधिकार पत्र सहित अन्य विभिन्न विषयों पर आवेदनों की प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री भोसकर ने सभी आवेदनों का अवलोकन कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने को निर्देशित किया है। जनदर्शन कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, श्री राम सिंह ठाकुर,नगर निगम आयुक्त श्री डी. एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

हाथी 25 फीट गहरे गड्ढे में गिरा काफी मशक्कत के बाद निकाला गया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सीतापुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत सरगा गांव में सोमवार तड़के एक हाथी कुआं बनाने के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में गिर गया। यह घटना उस समय हुई जब हाथी रविवार रात जंगल से भटक कर गांव में पहुंचा और सुबह करीब 4 बजे एक घर के पास से गुजरते समय वह करीब 25 फीट गहरे कीचडयुक्त गड्ढे में गिर गया। हाथी के गड्ढे में गिरने के बाद उसकी चिंघाड़ सुनकर ग्रामीणों की नींद खुल गई। जैसे ही लोगों को जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने पर सीतापुर फॉरेस्ट एसडीओ सपना मुखर्जी, रेंजर विजय तिवारी और अन्य वनकर्मी मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने जेसीबी की मदद से गड्ढे के किनारे से स्लोप बनवाकर रास्ता तैयार किया, ताकि हाथी स्वयं बाहर निकल सके। काफी मशक्कत के बाद हाथी धीरे-धीरे स्लोप से ऊपर चढ़ा और पास के खेतों से होते हुए जंगल की ओर लौट गया। वन विभाग ने बताया कि यह हाथी सीतापुर और मैनपाट वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे 12 हाथियों के दल का हिस्सा था, जो हाल ही में आसपास के इलाकों में सक्रिय हैं। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और हाथियों से दूरी बनाए रखें। हाथियों की बढ़ती आमद को देखते हुए वन विभाग ने इलाके में मुनादी करवा कर लोगों को जागरूक किया है।

रेलवे करंजी की टीम ने 2-1 गोल से जीते मैच

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे है संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत सोमवार से सुपर लीग के मैच प्रारंभ हुए। सुपर लीग के अंतर्गत पहला मैच फुटबॉल क्लब कर्मयोगी विरुद्ध रेलवे करंजी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में कर्म योगी की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए खेल के दसवें मिनट में गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हाफ में रेलवे करंजी की टीम ने खेल के अंतिम चरणों में शिव द्वारा लगातार 2 गोलकर रेलवे करंजी की टीम ने कर्मयोगी की टीम को 2-1 से हराकर जीत की शुरुआत की। दूसरा मैच फाइटर क्लब मेंड्राखुर्द विरुद्ध सूरज क्लब तालपारा के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों को गोल करने में सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने एक दूसरे के गोल के ऊपर हमला करते रहे लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। इस तरह सुपर लीग का दूसरा मैच 0-0 पर समाप्त हुआ। मंगलवार को प्रथम मैच ट्रेवल टाइगर अंबिकापुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब जमदोहर के मध्य खेला जाएगा तथा दूसरा मैच सरगुजा-11 अंबिकापुर विरोध बॉयज क्लब भटगांव के मध्य खेला जाएगा।

बाढ़ बचाव का संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 सितम्बर को टेबल टॉप अभ्यास एवं 25 सितम्बर को मॉक ड्रील आयोजित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में सरगुजा जिले में बाढ़ बचाव संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) श्री रविंदर गुरूंग, सलाहकार, एनडीएमए की अध्यक्षता में 10 सितम्बर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण की रूपरेखा तय की गई थी। इसके तहत जिला स्तर पर 23 सितम्बर को टेबल टॉप अभ्यास एवं 25 सितम्बर को मॉक ड्रील (काल्पनिक अभ्यास) आयोजित किया जाना है। मॉक ड्रील का आयोजन दरिमा तहसील अंतर्गत घुनघुटा बांध ग्राम लिबरा में किया जाएगा, जिसमें बाढ़ की आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का अभ्यास किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया है कि आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी कार्यालय कलेक्टर, सरगुजा अम्बिकापुर के सूचना पटल एवं शासकीय वेबसाइट www.surguja.nic.in पर देखी जा सकती है।

CMYK

फिलीपींस में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन,50 हजार लोग जुटे

प्रदर्शनकारियों ने शीशे तोड़े,फायर बम फेंके,200 लोग गिरफ्तार,70 पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025 । फिलीपींस की राजधानी मनीला में भ्रष्टाचार के खिलाफ 50 हजार से ज्यादा लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई। लोगों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें और फायर बम फेंके। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने अब तक 200 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हिंसा में करीब 70 पुलिसकर्मी घायल हुए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर नारे लिखे, खंभे गिराए, शीशे तोड़े और एक होटल में तोड़फोड़ की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस का छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने सांसदों और अधिकारियों पर बाढ़ राहत से जुड़े प्रोजेक्ट्स में घूसखोरी करने का आरोप लगाया है। सरकार का अनुमान है कि पिछले दो सालों में भ्रष्टाचार से देश को लगभग 83 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जबकि, ग्रीनपीस नामक हतह ने दावा किया है कि ये नुकसान 1.3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है।

प्रदर्शनकारी बोले-हमारे पैसे लौटाओ, दोषियों को जेल भेजो : यह घोटाला जुलाई में सामने आया था। जब मॉनसून और तूफानों ने कई शहरों को नुकसान पहुंचाया, जिससे 1 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे। फिलीपींस में हर साल औसत 20 तूफान आते हैं। जो इसे प्राकृतिक आपदाओं के लिए सबसे संवेदनशील देशों में से एक बनाता है। मनीला के एक पार्क में सुबह के प्रदर्शन में शामिल हुए 58 साल के मैनुअल डेला सेर्ना ने कहा- ये लोग जनता का पैसा लूट रहे हैं। बाढ़ में लोगों के घर बह रहे हैं, जबकि अधिकारी प्राइवेट जेट में उड़ते हैं और आलीशान बंगलों में रहते हैं। प्रदर्शनकारी लूटे गए पैसे की वापसी और दोषियों को जेल भेजने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कुछ इलाकों में हिंसक झड़पें हुईं। पुलिस प्रवक्ता मेजर हेजल असिलो ने कहा- यह क्लियर नहीं है कि गिरफ्तार लोग प्रदर्शनकारी थे या सिर्फ उपद्रव करने वाले। एक स्टूडेंट अल्थिया त्रिनिदाद ने मीडिया से कहा कि- हम गरीबी में जी रहे हैं,हमारे घर और भविष्य छिन रहे हैं, लेकिन ये लोग हमारे टैक्स के पैसों से महंगी गाड़ियां और विदेश यात्राएं कर रहे हैं।

राष्ट्रपति बोले...मैं भी गुस्से में हूं

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने जुलाई में इस घोटाले का खुलासा किया और एक जांच आयोग गठित किया। मार्कोस जूनियर ने वादा किया है कि इस घोटाले की जांच में कोई नहीं बचेगा। इस घोटाले के बाद सीनेट अध्यक्ष फ्रांसिस एस्कुडेरो और हाउस स्पीकर मार्टिन रोमुअल्डेज, जो मार्कोस के चचेरे भाई हैं, इस्तीफा दे चुके हैं।

नेपाल और इंडोनेशिया में भी हुए थे हिंसक प्रदर्शन

फिलीपींस का यह आंदोलन दूसरे देशों में भ्रष्टाचार और असमानता के खिलाफ हाल के प्रदर्शनों की तरह है। नेपाल में इस महीने Gen-5 के नेतृत्व में हुए आंदोलन ने सरकार को उखाड़ फेंका था। वहीं,इंडोनेशिया में सांसदों को मिले विशेषाधिकारों के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन हुआ था।

रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति 2026 तक पूरी होगी,बढ़ेगी भारत की सुरक्षा

मॉस्को,22 सितम्बर 2025। भारत और रूस के बीच साल 2018 में हुए 5.43 अरब डॉलर के रक्षा सौदे के तहत रूस अगले साल तक सभी एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति पूरी कर देगा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने एक रक्षा सूत्र के हवाले से सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक रूस 2026 में भारत को पांच एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति का अनुबंध पूरा करेगा। इनमें से चार प्रणालियां अब तक वितरित की जा चुकी हैं,और पांचवीं अगले साल वितरित की जाएगी। रूस के साथ 5.43 अरब डॉलर (40,000 करोड़ रुपये) के इस सौदे पर औपचारिक रूप से 5 अक्तूबर 2018 को अमेरिकी प्रतिबंधों के खतरे को नजरअंदाज करते हुए हस्ताक्षर किए गए थे। मार्च 2021 में,अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने भारत के

रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद की योजना पर चर्चा की और चेतावनी दी कि एस-400 की खरीद से सीएएटीएसए प्रतिबंध लग सकते हैं। अब तक, अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पहले कार्यकाल में हस्ताक्षरित प्रतिबंधों के माध्यम से अमेरिका के विरोधियों का मुकाबला करने संबंधी अधिनियम को लागू नहीं किया है क्योंकि एस-400 सौदा औपचारिक रूप से पूरा नहीं हुआ है। केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि के रूप में 'रेड स्क्वायर' पर विजय दिवस परेड में भाग लेने के लिए मॉस्को की अपनी यात्रा के दौरान स्थानीय भारतीय समुदाय से कहा था कि मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एस-400 वायु रक्षा मिसाइलें बहुत प्रभावी साबित हुईं। सेठ ने कहा कि भारत ने और अधिक मिसाइल प्रणालियां खरीदने में रुचि दिखाई है तथा वह अधिक उन्नत एस-500 मिसाइल प्रणालियां हासिल करने की संभावना तलाश रहा है।

नेपाल की अंतरिम सरकार में चार नए मंत्री

राष्ट्रपति पौडेल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

काठमांडो,22 सितम्बर 2025। नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सरकार में पांच नए मंत्रियों को शामिल किया गया है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अनिल कुमार सिन्हा, महावीर पुन,जगदीश खरेल और मदन परियार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के बाद अंतरिम सरकार की कैबिनेट में शामिल सदस्यों की संख्या बढ़ गई है। अब पीएम कार्की समेत कुल आठ मंत्री हैं।

किस मंत्री को कौन से विभाग का जिम्मा

शिक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय की जिम्मेदारी महावीर पुन को सौंपी जाएगी। वह राष्ट्रिय आविष्कार केंद्र के अध्यक्ष हैं। संचार, सूचना तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के लिए वरिष्ठ पत्रकार जगदीश खरेल का नाम आगे बढ़ाया गया है। वह इमेज मीडिया ग्रुप में समाचार प्रमुख रहे हैं। इसके अलावा, कृषि मंत्रालय का नेतृत्व मदन परियार करेंगे, जबकि उद्योग तथा भूमि सुधार मंत्रालय का

कार्यभार पूर्व न्यायाधीश अनिल कुमार सिन्हा को सौंपा जाएगा। अब तक कैबिनेट में प्रधानमंत्री समेत कुल आठ मंत्री हो गए हैं। प्रधानमंत्री कार्की ने कई अहम मंत्रालय अपने पास रखे हैं।

शपथ से पहले एक मंत्री का नाम विवाद के कारण हटाया गया : इससे पहले रविवार को राष्ट्रपति कार्यालय ने घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार में पांच नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। हालांकि, संगीता कौशल मिश्रा को बाद में उनकी विवादास्पद पृष्ठभूमि के कारण हटा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, नेपाल की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था, सत्ता के दुरुपयोग की जांच के लिए गठित आयोग (सीआईएए), इनसे जुड़े एक मामले की जांच कर रही है।

कार्की ने 12 सितंबर को संभाला था प्रधानमंत्री का पद

73 वर्षीय कार्की 12 सितंबर को प्रधानमंत्री बनी थीं। इससे पहले केपी शर्मा ओली की सरकार भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर जेन-जी के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद गिर गई थी। इसके बाद बने राजनीतिक अनिश्चितता के दौर का अंत कार्की के प्रधानमंत्री बनने से हुआ।

आम चुनाव तक काम करेगी अंतरिम सरकार

कार्की के पद संभालते ही ऊर्जा, जल संसाधन और भौतिक योजना मंत्री के तौर पर कुलमा घीसिंग, वित्त मंत्री के रूप में रमेश्वर खनल और गृहमंत्री के तौर पर ओम प्रकाश आर्यल को नियुक्त किया था। अंतरिम सरकार आगामी आम चुनाव तक काम करेगी, जो 5 मार्च को होने तय हैं।

व्यापार समाचार

सप्ताह के पहले दिन ही गिरा शेयर बाजार, आईटी सेक्टर में बिकवाली से बिगड़ा मूड

सेंसेक्स 466 अंक गिरकर 82,160 पर बंद, निफ्टी भी 125 अंक फिसला

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। आईटी सेक्टर के शेयरों की जम कर हुई बिकवाली के कारण सोमवार को घरेलू शेयर बाजार का मूड लगातार बिगड़ा रहा। आईटी सेक्टर पर पड़े दबाव का असर सोमवार को शेयर बाजार के कारोबार पर साफ-साफ नजर आया। इस दबाव के कारण सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से दोनों सूचकांक काफी हद तक रिकवरी करने में सफल रहे, लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार पर बिकवाली का दबाव बना रहा। खासकर दोपहर 2 बजे के बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों में तेज गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.56 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के अलावा डिफेंस, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर में भी जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह रियल्टी,बैंकिंग,ऑटोमोबाइल,कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सोमवार को खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी सोमवार को लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को कारोबार का अंत किया। सोमवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद घट कर 465.08 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,778 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,507 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में सोमवार को 2,817 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,080 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,737 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 545.16 अंक की गिरावट के साथ 82,151.07 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 500 अंक से अधिक की रिकवरी करके 82,583.16 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार पर बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। खासकर दोपहर 2 बजे के बाद बिकवाली तेज हो जाने के कारण आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 628.94 अंक लुढ़क कर 81,997.29 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाला, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 160 अंक से अधिक की रिकवरी करके 466.26 अंक की कमजोरी के साथ 82,159.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 88.95 अंक टूट कर 25,238.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 4.65 अंक की मजबूती के साथ 25,331.70 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये

सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के कुछ देर बाद ये सूचकांक 176 अंक फिसल कर 25,151.05 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 50 अंक से अधिक की रिकवरी करके 124.70 अंक की गिरावट के साथ 25,202.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार को दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी एंटरप्राइजेज 4.18 प्रतिशत, इटरनल 1.57 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.42 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 1.15 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा 3.11 प्रतिशत, टीसीएस 3.01 प्रतिशत, इंफोसिस 2.64 प्रतिशत, सिप्ला 2.13 प्रतिशत और विप्रो 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

जीएसटी कम होने का असर:विश्व प्रसिद्ध बीकानेरी भुजिया की रेट में पंद्रह से बीस रुपए की कमी

बीकानेर,22 सितम्बर 2025। केंद्र सरकार ने भुजिया पर लगे जीएसटी (गुड्स सर्विस टैक्स) को 12 परसेंट से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है। ऐसे में भुजिया की रेट में पंद्रह से बीस रुपए की कमी आई है। बीकाजी समेत बीकानेर के भुजिया व्यापारियों ने दाम किए है। शहर में करीब 100 से ज्यादा भुजिया बनाने की भट्टियां हैं। इससे पहले भुजिया 220 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेची जा रही थी। लेकिन,जीएसटी कम होने के बाद 15 से 20 रुपए कम हुए है। अब इसकी कीमत 200 रुपए प्रतिकिलो से शुरू हो रही है। बीकाजी ने दो सौ ग्राम पैकिंग वाला भुजिया की रेट 58 रुपए कर दी है, जबकि पहले इसकी रेट 62 रुपए थी। इसी तरह चार सौ ग्राम वाले पैकेट की रेट 122 रुपए से घटाकर 110 रुपए कर दी है। वहीं बीकाजी ने अपने गिफ्ट पैक भी सस्ते किए हैं, जिसमें भुजिया की पैकिंग शामिल है। इसमें 370 रुपए वाला पैकेट अब 350 रुपए में मिलेगा। वहीं 663 रुपए वाला पैकेट

अब 630 रुपए में मिल सकेगा। दरअसल, इसमें मिठाई का पैकेट भी होता है, मिठाई पर जीएसटी में कोई अंतर नहीं आया है। बीकानेर की एक अन्य बड़ी भुजिया निर्माता कंपनी भीखाराम चांदमल ने जीएसटी धमाका नाम दिया है। कंपनी के प्रचार प्रसार से जुड़े ज्ञान गोस्वामी ने बताया कि 240 रुपए प्रति किलो भुजिया की रेट घटाकर अब 224 रुपए कर दी है। भुजिया के अन्य प्रोड्क्ट्स पर भी इसी अनुपात में रेट कम की गई है। जीएसटी विशेषज्ञ एडवोकेट मदन मोहन व्यास ने बताया कि केंद्र सरकार ने ब्रांडेड भुजिया पर जीएसटी को बारह परसेंट से घटाकर पांच परसेंट कर दिया। जो भुजिया किसी भी थैली, पैकिंग में बेचा जा रहा है, उस पर बारह परसेंट जीएसटी था। वहीं जो भुजिया खुले में बिना पैकिंग बेचा जा रहा था, उस पर पांच परसेंट जीएसटी था। नए आदेश में केंद्र सरकार ने इसे समान कर दिया। अब पैकिंग किया हुआ या फिर बिना पैकिंग किया हुआ भुजिया पर जीएसटी समान रूप से पांच परसेंट ही लगेगी। इसी कारण भुजिया की कीमत में सात परसेंट की न्यूनतम गिरावट आई है। इधर,बीकानेर शहर में जगह-जगह भट्टी लगाकर खुला भुजिया बेचने वालों ने भी अपनी रेट में कमी कर दी है। आचार्यों के चौक में भुजिया बनाने वाले ऋषि पुरोहित (पूनसा) ने बताया कि कल तक जिस भुजिया की रेट 220 रुपए थी, उसे कम करके अब दो सौ रुपए कर दिया गया है। खुले भुजिया पर जीएसटी कम नहीं हुई है लेकिन इसके बाद भी रेट कम की गई है। आमतौर पर तेल, बेसन सहित अन्य कच्चे माल की रेट बढ़ने पर भुजिया की रेट बढ़ जाती है लेकिन कच्चे माल की कीमत कम होने पर भुजिया की रेट कम नहीं होती। जीएसटी का संबंध सीधे सरकार से है, ऐसे में जीएसटी कम होते ही भुजिया की रेट कम हो गई है।

डॉलर की तुलना में 22 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। कमजोर ग्लोबल संकेतों,स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की मांग में तेजी आने का असर सोमवार को भारत के मुद्रा बाजार में साफ-साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया सोमवार को डॉलर की तुलना में कमजोर होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा सोमवार को डॉलर की तुलना में 22 पैसे फिसल कर 88.32 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 88.10 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने सोमवार को कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की कमजोरी के साथ 88.18 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया ओपनिंग लेवल से 7 पैसे की रिकवरी करके 88.11 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया 25 पैसे की कमजोरी के साथ 88.35 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 22 पैसे की गिरावट के साथ 88.32 के स्तर पर सोमवार को कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के सोमवार को कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। सोमवार को कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 26.42 पैसे की कमजोरी के साथ 119.23 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया सोमवार को 38.68 पैसे की गिरावट के साथ 103.99 के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी हलचल और अमेरिका द्वारा अपने मन के मुताबिक ट्रेड डील करने की कोशिश में भारत पर लगातार बढ़ाए जा रहे।

CMYK

बढ़ती महंगाई में गरीब के आशियाने का सपना कैसे पूरा कराएगी सरकार ?

हितग्राही बोले महंगाई तीन गुना बढ़ गई,अनुदान की राशि का फिर से करना चाहिए आंकलन,मापदंड के हिसाब से मकान बनाने पर खर्च करने होंगे करीब दो लाख

2016 में पीएम आवास शुरू होने के बाद से ग्रामीण इलाकों में मिल रहे सिर्फ एक लाख बीस हजार रुपए,दूरी के हिसाब से बने स्टीमेट

उच्च गुणवत्ता युक्त आवास का अनुमानित खर्च

1 सीमेंट - 100 बोरी 32000 रु
2 छड़ - 4 क्विंटल 24 हजार रु
3 बालू पर खर्च लगभग- 8000 रु
4 गिट्टी - 4 से 5 सौ फीट -24000
5 ईंट 9,000 नग = 45,000
6 खिड़की दरवाजा रोशनदान-10000 रु
7 मजदूरी = 40,000-45,000 रुपए
कुल राशि एक लाख पचासी हजार लगभग

इस प्रकार, चुना और इमल्सन या डिस्टेम्पर बिजली फिटिंग मिला कर कुल लागत 2 लाख रुपये से अधिक हो जाती है। सामग्री की कीमतों में और वृद्धि होने पर यह लागत और भी बढ़ सकती है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा दी जाने वाली 1.20 लाख रुपये की अनुदान राशि इस खर्च का आधा भी पूरा नहीं

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,22 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाय),जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है, आर्थिक बाधाओं के कारण गंभीर संकट का सामना कर रही है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत दी जाने वाली 1 लाख 20 हजार रुपए की अनुदान राशि मौजूदा महंगाई और निर्माण लागत के सामने नाकाफी साबित हो रही है। परिणामस्वरूप,जिले में सैकड़ो लाभार्थियों के मकान अधूरे पड़े हैं,क्योंकि उनके पास निर्माण पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं है। लाभार्थियों और स्थानीय लोगों ने सरकार से अनुदान राशि का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग की है, ताकि बढ़ती महंगाई के बीच उनका पक्के मकान का सपना पूरा हो सके।

दो कमरे बनाना भी मुश्किल

योजना के तहत मिल रही राशि से दो कमरे बनाना भी मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में दो कमरा बनाने के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि दी जाती है। साथ ही 17 हजार 300 रुपए मनरेगा के तहत मजदूरी मिलती है यानि कुल राशि 1 लाख 37 हजार 300 रुपए है। इतनी कम राशि में लोगों को मकान बनाना मुश्किल हो रहा है। साथ ही कुछ हितग्राही ऐसे हैं, जिनके पास स्वयं की पूंजी भी नहीं हैं, जिससे मकान अधूरे भी पड़े हैं। जबकि शहरी क्षेत्र में यह राशि 2 लाख 50 हजार रुपए के लग्भग है ।

निर्माण लागत और अनुदान राशि में भारी अंतर

एक प्राइवेट इंजीनियर से बात करने पर उन्होंने बताया की योजना के तहत बनने वाले 270 वर्ग फीट के दो कमरे के मकान की लागत का ब्योरा साझा किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान बाजार मूल्यों के आधार पर एक स्लैब वाले मकान के निर्माण में कम से कम 2 लाख रुपये से अधिक का खर्च आता है।

अनुदान राशि का हो पुनर्मूल्यांकन

लाभार्थियों का कहना है कि 2016 में शुरू हुई इस योजना में अनुदान राशि उस समय की कीमतों के हिसाब से तय की गई थी। लेकिन, पिछले नौ वर्षों में महंगाई तीन गुना बढ़ चुकी है, जिसके कारण 1.20 लाख रुपये में मकान का निर्माण असंभव हो गया है। लाभार्थियों ने मांग की है कि सरकार अनुदान राशि का पुनर्मूल्यांकन करे और इसे वर्तमान निर्माण लागत के अनुरूप बढ़ाए।

स्थिति चिंताजनक

कोरिया में कई पीएम आवास अधूरे पड़े हैं, जो इस योजना की सफलता पर सवाल उठाते हैं। अधूरे मकानों की वजह से लाभार्थी परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार को इस समस्या का तत्काल समाधान करना चाहिए। वे चाहते हैं कि अनुदान राशि को बढ़ाने के साथ-साथ निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहायता प्रदान की जाए।

हितग्राही बोले, किश्त में राशि कम पड़ रही इस वजह से हालत खराब

आवास योजना में इतनी कम राशि मिलने के बाद हितग्राही मकान बनाने में खुद को असहाय महसूस करने लगे है। हितग्राही ऐसे में अब इस योजना में देने वाली राशि की रकम बढ़ाने की मांग करने लगे है। किसी को एक किश्त मिली है तो किसी को दो किश्त मिली है। इससे उनके आवास निर्माण अधूरे हैं। वानांचल क्षेत्रो में प्रधानमंत्री आवास योजना का हाल बेहाल है। यहां भी मकान अधूरे पड़े हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शासन से किश्त की राशि कम मिल रही है। इसके चलते वे अपने सपने के घरों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं और कार्य रुक गए हैं।

रेत भी हो गई महंगी

अवैध रेत उत्खनन पर लगातार लगाम लगाने के असफल प्रयासों ने रेत के दाम बढ़ा दिए हैं । बारिश में रेत की उपलब्धता भी कम हो गई है। इसके कारण शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना में तेजी नहीं आ पा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि लोगों तक रेत नहीं पहुंच पा रहे। अगर पहुंच भी पा रही है तो मनमाने रेट के कारण हितग्राही रेत लेने से मना कर रहे हैं। वहीं अब कड़े कानून आ जाने के कारण रेत माफिया भी रेत ढोने में डर रहे हैं। इसके कारण रेत के दामों में लगातार बढोतरी हो रही हैं, जिससे आम लोगों के जेब में गहरा असर पड़ रहा है।

पहले से 10 हजार और घट गई राशि

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्ववर्ती सरकार में आवास निर्माण में कुल 1 लाख 50 हजार रुपए मिलते थे जिसमें एक लाख 30 हजार मटेरियल और 20 हजार मजदूरी का मिलता था लेकिन वर्तमान में मटेरियल की राशि 10 हजार और कम हो गई अभी सिर्फ 1 लाख 20 हजार और मजदूरी के लिए लग्भग 20 हजार मनरेगा से दिए जा रहे हैं कुल मिला कर आवास निर्माण हेतु 1 लाख 40 हजार रुपए की राशि प्रदान की जा रही है।

दूरी के हिसाब से परिवहन मद बढ़ाने की आवश्यकता

प्रबुद्ध वर्ग का कहना है स्टीमेट में परिवहन व्यय का ख्याल रखना चाहिए क्योंकि जिला या ब्लॉक मुख्यालय में जो चीज जिस दाम में मिल रही है वही चीज 80 किलोमीटर वनांचल में उस दाम पर नही मिलेगी, वहां समान लेजाने में ही परिवहन खर्च बहुत अधिक आ जाता है जिससे हितग्राही की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है, और शायद यही कारण है कि आवास अधूरे रह जाते हैं।

सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा ने प्रबुद्ध जन सम्मेलन एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,22 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

गत दिवस भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया के द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रबुद्ध जन सम्मेलन एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान कार्यक्रम का मानस भवन बैकुंठपुर मे आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, वशिष्ठ अतिथियों,भाजपा जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने भारत माता,पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि कर किया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा,विशिष्ट अतिथि विधायक भईयालाल राजवाड़े एवं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पूरे जिले के विभिन्न मंडलों में लगातार सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उपरोक्त कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा वरिष्ठजनों एवं समाज के लिए योगदान देने वाले विभूतियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने सभी वरिष्ठजनों का स्वागत करते हुए उनकी उपस्थित के लिए आभार व्यक्त किया और समाज में सेवा कार्यों के महत्व को रेखांकित किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रविशंकर राजवाड़े ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे देश नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व नपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, जिला उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, जिला उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, बसंत राय, राविशंकर राजवाड़े, राजेश सिंह, अनिल साहू,चुन्नी पैकरा, शिवकुमारी सोनपाकर, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, अरुण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, ईश्वर राजवाड़े, प्रदीप तिवारी, सुनीता कुर्रे, जिला मिडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जिला सह मिडिया प्रभारी वर्षा साहू, जिला सोशल सह मिडिया सह संयोजक राकेश गुप्ता,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, रामलखन यादव, दीपा विश्वकर्मा, मैनेजर राजवाड़े, राजाराम राजवाड़े, संजय चिकन जूरी, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेन्द्र राजवाड़े, भानूपाल, रवि त्रिपाठी, रमन गुप्ता, सचिदानंद द्विवेदी, मनोज साहू, सुरेश राजवाड़े, दिनेश साहू, राकेश गुप्ता, सुशीला साहू, सुरेश सिरदार, मनीष सिंह, मुन्ना चक्रधारी,कुंती चक्रधारी, जगदीश साहू, संगीता गुप्ता, लक्ष्मी राजवाड़े, रोशन राजवाड़े, रमेश तिवारी, ममता कुशवाहा सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहें।

भाजपा के कार्यकर्ता सेवा की भावना लेकर जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे...

मंच से अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि रामसेवक पैकरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग तक पहुंच रही है, उनके ही मार्गदर्शन में भाजपा के कार्यकर्ता सेवा की भावना लेकर जन जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। दीपावली पर सरकार के द्वारा व्यापारियों राहत देते हुए जीएसटी की दरों पर छूट दी गई है उसका लाभ आम जनता तक सीधे पहुंचेगा।

आत्मनिर्भरता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठ के लिए मील के पत्थर साबित हो रहे प्रधानमंत्री मोदी

विधायक भईया लाल राजवाड़े ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को देश की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर और जी-20 सम्मेलन की सफलता को भारत की मजबूती का प्रतीक बताया।

मनेंद्रगढ़ में 'आदि कर्मयोगी' ब्लॉक स्तरीय प्रोसेस लैब का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

-संवाददाता-
एमसीबी,22 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में विगत 13 और 15 सितम्बर 2025 को जनपद सभा कक्ष में 'आदि कर्मयोगी' का ब्लॉक स्तरीय प्रोसेस लैब का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन को सभी ब्लॉक मास्टर ट्रेनर (BMT) के द्वारा संपन्न कराया गया, जिसमें ग्राम स्तरीय आदि साथी एवं सहयोगियों को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम स्तर पर विकास कार्यों की प्रभावी योजना बनाना, समुदाय से संवाद स्थापित करना, शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाना, कार्यों की निगरानी और मूल्यांकन की प्रक्रिया समझना, डिजिटल रिपोर्टिंग करना तथा सामाजिक भागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता, शिक्षा संवर्धन तथा आजीविका विकास से जुड़ी योजनाओं को गाँवों में बेहतर ढंग से लागू करने के व्यावहारिक तरीके भी सिखाए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जिला सदस्य उजीत नारायण, जनपद सदस्य आनंद सिंह, सहायक आयुक्त सुश्री अंकिता मरकाम, जनपद सीईओ सुश्री वैशाली सिंह और जिला प्रभारी प्रमोद कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर डीएमटी दिनेश कुमार द्वारा प्रशिक्षण कार्य में प्रदान किया गया मार्गदर्शन और सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा। आयोजन ने न केवल प्रशिक्षणार्थियों को कार्यकुशल और जिम्मेदार बनाने की दिशा में अहम कदम रखा, बल्कि यह भी स्पष्ट संदेश दिया कि 'आदि कर्मयोगी' कार्यक्रम के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता और जनसहभागिता सुनिश्चित होगी।

वरिष्ठ पत्रकार मृत्युंजय चतुर्वेदी का निधन

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,22 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मृत्युंजय चतुर्वेदी पिता पं. काशीनाथ चतुर्वेदी का 65 वर्ष की आयु में सोमवार को उपचार के दौरान रायपुर के एक निजी अस्पताल में देहावसान हो गया। सोमवार की शाम 5 बजे उनका पार्थिव शरीर मनेंद्रगढ़ स्थित उनके निवास पहुंचा जहां परिजनों और शुभचिंतकों ने मृतात्मा को अंतिम विदाई दी। स्व. मृत्युंजय चतुर्वेदी का अंतिम संस्कार मंगलवार को प्रयागराज (उप्र) में होगा। स्व. चतुर्वेदी को विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी ,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र... ब-121 वर्ष
ग्राम-..... प0ह0न0....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवप्रसाद आ0 रामसाय जाति चेरवा निवासी ग्राम गंगापुर प0ह0न0 ..... रा0नि0म0 ..... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग्0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री चाची- अमारो बाई का मृत्यु 02/07/2022 को ग्राम गंगापुर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत गंगापुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/10/2025 को अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 18/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील - लटोरी
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल अम्बिकापुर (छ0ग0)
बाबूपारा जेल रोड़ अम्बिकापुर फोन 07774-224498 फैक्स 224113

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि - दिनांक 03/10/2025
निविदा आमंत्रण-द्वितीय आमंत्रण

स. क्र.	निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक व दिनांक	सिस्टम निविदा क.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4	5
1	15/19.09.2025	176115	लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत उपसंभाग अम्बिकापुर के बोरिंग कार्य का निविदा आमंत्रण बावत् ।	रू. 45.97 लाख
2	16/19.09.2025	176116	लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत उपसंभाग सूरजपुर के बोरिंग कार्य का निविदा आमंत्रण बावत् ।	रू. 27.59 लाख
3	17/19.09.2025	176117	लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत उपसंभाग रामानुजगंज के बोरिंग कार्य का निविदा आमंत्रण बावत् ।	रू. 27.93 लाख
4	18/19.09.2025	176118	लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत उपसंभाग जशपुर के बोरिंग कार्य का निविदा आमंत्रण बावत् ।	रू. 27.89 लाख
5	19/19.09.2025	176119	लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ के बोरिंग कार्य का निविदा आमंत्रण बावत् । कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	रू. 27.90 लाख

जी नंबर-252603641/2

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग सेतु मण्डल
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

तहसीलदार न्यायालय में अंगूठे वाली वसीयत के सामने हस्ताक्षर सहित शपथ आयुक्त से प्रमाणित वसीयत को नहीं मिली मान्यता...

मंत्री के पिता और भाई को लेनी थी जमीन इस कारण पटना तहसीलदार मामले में नियम विरुद्ध फैसला करने हुए तैयार ?

पटना तहसील कार्यालय के एक फैसले ने लोगों को अचभित कर दिया, 5 साल पहले बने वसीयत को किया दरकिनार,मृत्यु के तीन दिन पहले बने वसीयत पर सुनाया फैसला...

एक जमीन के दो वसीयत जिसके दो दावेदार,तहसीलदार को कैसे हुआ पता की मृत्यु के तीन दिन पहले बना वसीयत सही और पांच साल पहले वाला गलत ?

मामले में पटना तहसील के फैसले ने लोगों को किया अचभित,संदेह के घेरे में वसीयत पर क्यों एक पर तहसीलदार हुए मेहरबान ?

क्या मंत्री के परिजन विवादित जमीन लेने के लिए,तहसीलदार के द्वारा जल्द फैसला कराने में दिखाई रुचि ?

5 साल पहले बने वसीयत को नहीं दिया महत्व,मृत्यु के तीन दिन पहले बने वसीयत को माना वैध,फैसले पर उठा बड़ा सवाल ?

तहसीलदार दो वसीयत पर सुनवाई करते हुए क्या किसी मंत्री के प्रभाव में आकर बिना वसीयत को समझे फैसला सुना गए ?

-न्यूज डेस्क-

कोरिया/पटना,22 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

यदि किसी का कोई वारिस ना हो तो उसके चल- अचल संपत्ति पर जाल-साजिश होना राजस्व मामले में कोई बड़ी बात नहीं है। राजस्व न्यायालय के कई प्रकरण में फैसले को यदि देखें तो फैसला न्यायसंगत नहीं होते हालांकि इस तरह के फैसले प्रभावशील व्यक्तियों से प्रभावित होते हैं या फिर नोटों के वजन से कुछ ऐसा ही मामला पटना तहसील के राजस्व न्यायालय में बीते दिनों सामने आया है जिसके दस्तावेजों को अवलोकन पश्चात प्रथम दृष्टया यह कहना गलत नहीं होगा कि तहसीलदार ने जो फैसला दिया है वह किसी न किसी प्रभाव से प्रभावित है। चुकी यह खबर इसलिए भी ज्यादा प्रभाव रखती जब इसमें छत्तीसगढ़ शासन में वर्तमान एक मंत्री के परिजन द्वारा क्रेता बनकर विवादित जमीन विक्रेता द्वारा लिया गया। स्टेट हाईवे की कीमती भूमि लेने में मंत्री के साख का हवाला हो सकता शायद इसलिए तहसीलदार ने दिन को रात कर दिया होगा। न्याय से असंतुष्ट पीड़ित का आरोप है कि मामला दो सालों से पटना तहसील कार्यालय में नामांतरण और फौती दर्ज करने का चल रहा था। यह मामला एक ऐसे व्यक्ति का था जिसके अपने वंश वारिश कोई नहीं थे कुल

मिलाकर अपने बच्चे नहीं थे,जिस व्यक्ति की जमीन थी वह व्यक्ति चार भाई और एक बहन थे अपने माता पिता के,वहीं जो व्यक्ति अब इस दुनिया में नहीं है और उसकी पत्नी भी उसके पहले ही जा चुकी थी,और मृतक अपने एक भाई के साथ एक ही घर में रह रहा था, उसका भाई और बेटा उसकी सेवा कर रहा था,उस समय जब मृतक लकवा से ग्रसित था और काफी परेशान था,लकवा के ग्रसित होने से पहले उसकी सेवा करने वाले भाई के बेटे के नाम उसने सारी वसीयत लिख दी थी यह वसीयत 2018 में लिखी गई थी और 2019 में वह लकवा से ग्रसित हो गया था और 2023 में उनकी मृत्यु हो गई और उसकी मृत्यु के बाद उनका एक और भाई उनकी मृत्यु से तीन दिन पहले अपने एक बेटे के नाम और वसीयत तैयार कर लिया और उसमें एक जमीन अपने बेटे के नाम वसीयत कर ली जो जमीन काफी कीमती थी और स्टेट हाईवे की जमीन थी, उस जमीन का प्रकरण फौती नामांतरण के

दैनिक घटती-घटना समाचार का परीक्षित स्वर और चेतावनी

यह रिपोर्ट आवेदक के दावों और स्थानीय स्रोतों पर आधारित है। दैनिक घटती-घटना की रिपोर्ट का उद्देश्य किसी व्यक्ति को बिना प्रमाण बदनाम करना नहीं है पर सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि रेवेन्यू विभाग और शासन-स्तर पर यह स्पष्ट किया जाए कि क्या ऐसे आरोप सत्य हैं और किस तरह की सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। जब तक त्वरित और पारदर्शी जांच नहीं होती,तब तक जमीन मालिकों का भरोसा बहाल नहीं हो पाएगा।

लिए पटना तहसील कार्यालय में चल रहा था, सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि पहला मामला उस व्यक्ति ने फौती नामांतरण का लगाया जिसकी वसीयत 2018 की थी, जब यह बात दूसरे को पता चली तो उसने मृत्यु के तीन दिन पहले का वसीयत बनवाकर आपत्ति दर्ज कराते हुए प्रकरण दर्ज कराया एक वसीयत मृत्यु से 5 साल पहले बनी थी और दूसरी वसीयत मृत्यु के तीन दिन पहले बनी थी अब ऐसे में कौन सी वसीयत सही है इसका बिना सही निर्णय लिए तहसीलदार ने एक तरफा फैसला दे दिया ऐसा पीड़ित रोहित का आरोप है, वहीं फैसले वाली जमीन बिक्री भी तत्काल हुई और वह जमीन खरीदने वाले मंत्री के पिता व भाई निकले, यह जमीन लगभग 25 लाख रुपए में खरीदी गई है, अब सवाल यह उठता है कि क्या मंत्री के दो भाई को जमीन खरीदना था इस वजह से तहसीलदार ने जल्दबाजी में फैसला एक पक्ष में सुना दिया है?

2 साल पहले बनी वसीयतनामा

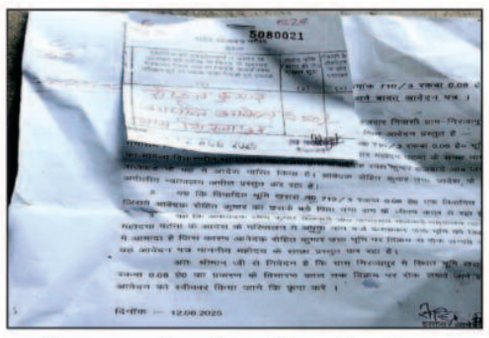

रजिस्टर कार्यालय में आपत्ति दर्ज करने वाला आवेदन उसके एक महीने बाद हुआ रजिस्ट्री

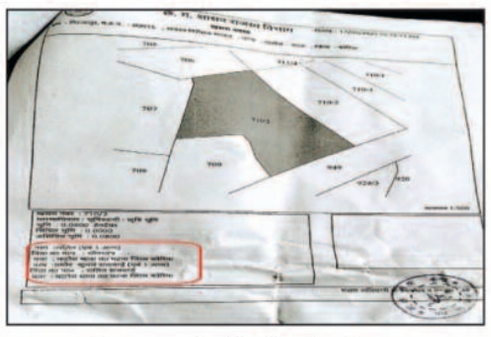

16 सितम्बर को रजिस्ट्री और ऑनलाइन नए भू-स्वामी का नाम भी चढ़ा

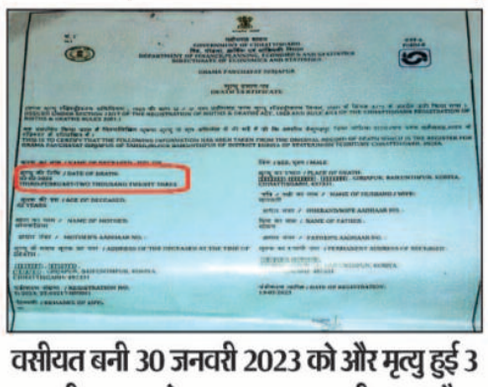

वसीयत बनी 30 जनवरी 2023 को और मृत्यु हुई 3 फरवरी 2023 को मृत्यु प्रमाण पत्र यही बताता है...

5 साल पहले बना वसीयतनामा

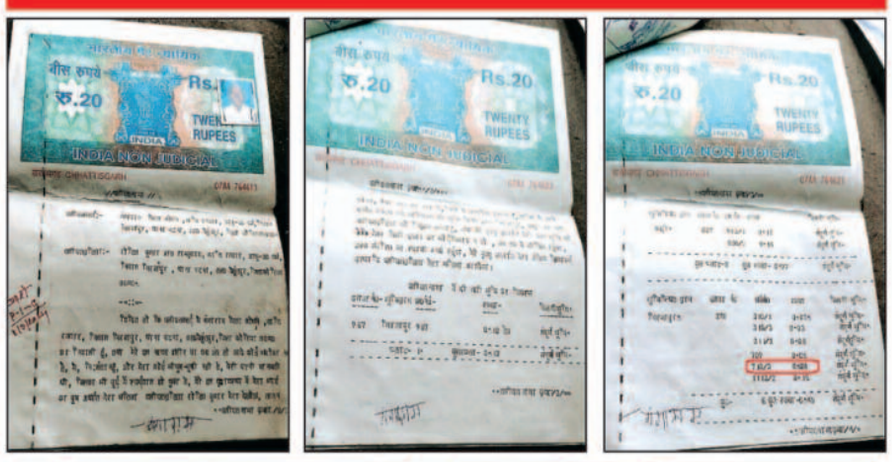

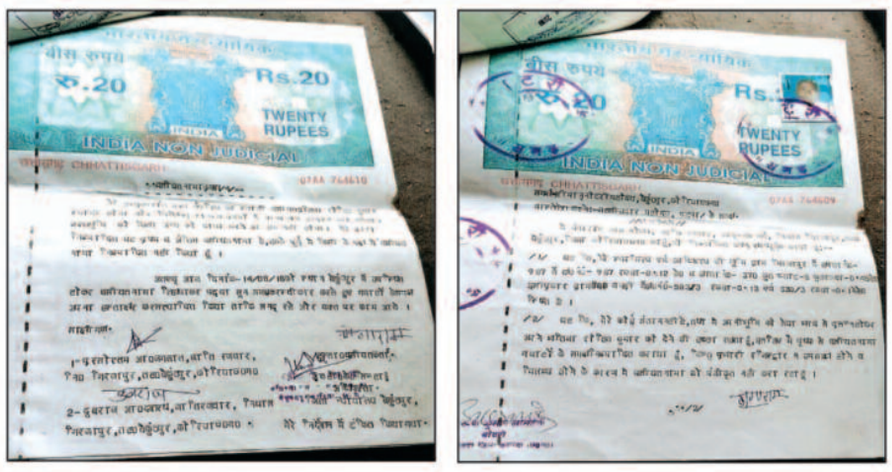

क्या तहसीलदार 2018 के वसीयत को मानने से किए इनकार और मृत्यु से तीन दिन पहले बने वसीयत को किए स्वीकार ?

मामले में एक सवाल यह भी है कि क्या तहसीलदार ने वर्ष 2018 में बनी वसीयत को अमान्य किया और मृत्यु से केवल तीन दिन पहले बने वसीयत को मान्य किया? यदि ऐसा है तो क्या उन्होंने ने मामले के सभी पक्षकारों को आपत्ति का अवसर दिया उनकी आपत्ति स्वीकार कर क्या उन्होंने उन्हें संतुष्ट किया? वैसे शिकायतकर्ता जब शिकायत कर रहा है मतलब आपत्ति धरी की धरी रह गई और नामांतरण सहित जमीन बेच दी गई, अब जमीन मंत्री के रिश्तेदारों की है जो प्रभाव और पैसे से मंत्री के कारण इतने सम्पन्न हो चुके हैं कि उन्हें या उनसे मुकाबला कर पाना किसी के बस में नहीं है ऐसा शिकायतकर्ता का कहना है।

मामले से जुड़ा सवाल ?

सवालः जब मृतक गंगाराम ने दो वसीयत रखा तो किस आधार पर तहसीलदार ने मृत्यु के तीन दिन पहले वाला वसीयत को माना वैध ?

सवालः पांच साल पहले के वसीयत के आधार पर नाम परिवर्तन और फौती क्यों नहीं किया ?

सवालः एक वसीयत में हस्ताक्षर तो दूसरे में अंगूठा तहसीलदार ने कैसे जाना अंगूठा मृतक का है ?

सवालः पंजीयक के आपत्ति स्वीकार करने के बाद आखिर कैसे हुआ भूमि का विक्रय ?

फर्जी दस्तावेज भी यदि लेकर जाएं तो उसके भी पक्ष को ध्यान में रखते हुए नहीं करते किसी को निराश ?

पटना तहसील के तहसीलदार फर्जी दस्तावेज के आधार पर भी फैसला सुनाने के लिए तैयार रहते हैं, यदि कोई फर्जी दस्तावेज लेकर जाता है तो वह उससे अपनी बात बताते हैं और यदि वह मान जाता है उसे उसके हक में फैसला मिल जाता है, फैसला कब होगा कितनी जल्द होगा यह इस आधार पर तय होता है कि वह व्यक्ति जिसे अपने हक में फैसला चाहिए वह किस स्तर तक तहसीलदार की बातों से सहमत है,पटना तहसील एक फैसले बाद सुर्खियों में है और यह सुर्खियां अच्छे कामकाज या त्वरित निराकरण के आधार पर मिली सुर्खियां नहीं बल्कि यह तहसीलदार की कार्यप्रणालियों की सुर्खियां हैं। बताया जाता है कि पटना तहसीलदार को फैसले के दौरान फरियादी के वजन मापने की आदत है, जैसा जिसका वजन वैसा फैसला, ऐसा करने में उन्हें मजा आता है, बताया जाता है कि सब कुछ मजे के आधार पर होता है तहसील में। कौन वजनदार है कौन खाली है यह जांचकर तय किया जाता है कि किसे फैसले से खुश किया जाए। तहसीलदार वजन नहीं होने पर फैसले में रुचि भी प्रदर्शित नहीं करते हैं।

मंत्री के रिश्तेदार को खरीदनी थी जमीन इसलिए जल्दबाजी में तहसीलदार ने दिया फैसला ?

जिस जमीन की बात हो रही है उसे मंत्री के रिश्तेदार को खरीदनी थी और उन्होंने ही खरीदी भी वहीं केवल इसलिए ही तहसीलदार ने जल्दबाजी में फैसला बिना आपत्ति स्वीकार किए सुना दिया। शिकायतकर्ता की माने तो वह जब वर्ष 2018 की असली वसीयत देकर नामांतरण का प्रयास कर रहा था तब तहसील कार्यालय से निर्णय नहीं आया वहीं जब मामले में मंत्री के रिश्तेदारों का हस्तक्षेप हुआ तहसीलदार ने तत्काल निर्णय उस व्यक्ति के पक्ष में दे दिया जो फर्जी वसीयत रखे हुए है,यह पटना तहसीलदार का ऐसा फैसला है जिसमें पैसे सहित प्रभाव का इस्तेमाल किया गया और जमीन मंत्री पिता पुत्र को मिल गई। प्रभाव सहित पैसे का खेल नहीं हुआ होता जमीन उसी की होती यह शिकायतकर्ता का कहना है। उसके अनुसार मामले में स्टेट हाइवे की जमीन की लक्ष्य थी मंत्री के रिश्तेदारों की जो उन्हें मिल गई पैसे सहित प्रभाव की ताकत से जिसमे वह हार गया और अपनी जमीन अब गंवा बैठा।

क्या है पूरा मामला...

तहसीलदार के कारनामा तब जानने को मिला जब प्लाट नंबर 710/3 रकबा 0.080 की बिक्री हुई। हालांकि भूमि के क्रय-विक्रय तो सामान्य बात है पर यह मामला इसलिए खास है कि इस भूमि के क्रेता मंत्री के परिजन है। जब शिकायतकर्ता रोहित राजवाड़े उनकी पत्नी निवासी गिरजापुर ने अपनी आप बीती बताते हुए कहा कि मृतक गंगाराम राजवाड़े जो एक कॉलरीकर्मी रहे मेरे चाचा है। पटना तहसील के गिरजापुर में मेरे पिताजी यानी गंगाराम के भाई के यहां निवास करता था। गंगाराम के कोई संतान नहीं होने के साथ उनकी पत्नी का भी देहांत गंगाराम से पहले हो गया रहा। और मृतक अपने एक भाई के साथ एक ही घर में रह रहा था, जिसकी संपूर्ण सेवा,देखरेख उसके भाई के बेटे यानी उसके भतीजे की रही। भतीजा रोहित उसकी सेवा कर रहा था,साथ ही गंगाराम लकवाग्रस्त रहा जिसकी सेवा और उसका संपूर्ण क्रियाकर्म रोहित और उसकी पत्नी ने किया उसके इसी सेवा से अपने जीवित रहते 2018 में एक वसीयत निष्पादित किया। जिसमें उसके नाम से समस्त अचल संपति का ब्योरा देते हुए संपति रोहित के नाम कर दिया रहा। 2023 में गंगाराम के मृत्यु पश्चात इसके भूमि फौती,नामांतरण का प्रकरण पटना तहसील गया। वहीं इसी तहसील में गंगाराम के दूसरे भाई के बेटे रमेश राजवाड़े ने भी एक वसीयत पेश करते हुए प्लाट नंबर 710/3 के लिए फौती, नामांतरण के लिए इसी पटना तहसील न्यायालय में प्रकरण दर्ज हुआ। रोहित ने बताया कि गंगाराम का पूरा देखरेख तथा मृत्युपरांत काम क्रिया संस्कार मेरे घर में पूरा हुआ। गंगाराम के एक भाई जगतराम के पुत्र रमेश राजवाड़े ने फर्जी वसीयत के आधार पर अपने आप को वारिस बता कर ने स्टेट हाईवे में स्थित 20 डिसमिल भूमि तहसीलदार के मिली भगत से अपने नाम करवाकर उसे लगभग 25 लाख में क्रय किया जिसे लेने वाले छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री के मायके पक्ष है। शिकायतकर्ता ने अपनी आपबीती बताते हुए बताया कि पिछले दो सालों से पटना तहसील में इसी मामले का केश चल रहा था पर पर प्रभावशील लोगों के आने से तहसीलदार ने बिना दस्तावेज जांच के फर्जी वसीयत के आधार पर रमेश राजवाड़े को भूमि आबंटित किया और विक्रय करने में मदद करते हुए आपत्ति के बावजूद नामांतरण भी कर दिया गया।

जब मृतक रहता था रोहित के साथ,2018 में लिख दी थी उसने वसीयत तो फिर रमेश मृत्यु से तीन दिन पहले कहां से लाया वसीयत ?

मृतक भाई व भतीजे रोहित के साथ अंतिम साँस तक रहता था,उसकी सेवा पूरी तरह से रोहित और उसकी पत्नी किया करते थे,मृतक मृत्यु पूर्व लकवा ग्रस्त भी था और उससे मिलने अन्य कोई रिश्तेदार नहीं आता था। रोहित के अनुसार जिसके नाम जमीन हुआ है वह कभी भी मिलने से लेकर मृतक के क्रिया कर्म मे तक नहीं आया फिर तहसीलदार द्वारा कैसे दूसरे बने वसीयत को आधार मानकर जमीन उसके नाम किया गया। शिकायतकर्ता ने बताया मृतक गंगाराम ने तो एक वसीयत किया फिर कैसे दूसरा वसीयत आना और उसे वैध बतना बड़ा सवाल है। मृतक की पहली वसीयत सही और दूसरी वाली फर्जी है और संभवतः अंगूठा का निशान भी फर्जी हो सकता है ऐसा शिकायतकर्ता रमेश का कहना है,रमेश के अनुसार यह अन्याय है उसके साथ क्योंकि उसके पास की वसीयत ही असली है जिसे मानने से तहसीलदार पटना ने इनकार कर दिया है।

पंजीयक ने आपत्ति दर्ज करने की 250 की रशीद कटाई पर आपत्ति स्वीकार नहीं की...

किसी भूमि में विवाद की स्थिति हो या यह अंदेशा हो कि विवाद निराकरण से पहले भूमि का विक्रय हो सकता है तो आपत्तिकर्ता पंजीयक कार्यालय में अपना आपत्ति दर्ज कर सकता है और विक्रय होने वाले भूमि को क्रय विक्रय से रोका जा सकता है। उपपंजीयक कार्यालय में आपत्ति दर्ज करने का राशि देकर रसीद काट कर आपत्ति स्वीकार तो की जाती है पर आपत्ति मानी नहीं जाती। प्लाट नंबर 710/3 के क्रय विक्रय पर आपत्ति दर्ज करने के बाद भी बिना निराकरण आखिर कैसे हुआ इस भूमि का विक्रय? मामले में शिकायतकर्ता के अनुसार रजिस्ट्री के समय पंजीयक ने 250 की रसीद कटवाई और आपत्ति के अवसर की बात कही लेकिन जब आपत्ति दर्ज करानी चाही गई आपत्ति दर्ज नहीं की गई, पंजीयक के यहां भी सेटिंग होने की बात कहते हैं शिकायतकर्ता, अब शिकायतकर्ता कहां जाए जब उसे हर जगह निराशा ही हांथ लगती है। पंजीयक ने आपत्ति क्यों दर्ज नहीं की यह भी बड़ा सवाल है।

तहसीलदार का नाम सहित मंत्री के भाई का नाम न आए इसके लिए अखबार के कोरिया जिला प्रतिनिधि सहित कई प्रभावी लोग बचाव करते नजर आए

यह मामला दैनिक घटती-घटना कार्यालय तक पहुंची तो इस प्रकरण में शामिल लोगों ने कई अलग-अलग लोगों से फोन कराया गया की खबर का प्रकाशन न हो। कई महानुभाव ने कहा कि देख लो पर किसी ने यह नहीं बताया कि किसे देखना है तहसीलदार को? विक्रेता को? या फिर मंत्री का नाम न आए? भूमि रजिस्ट्री के साथ नामांतरण तो हो गया पर इस प्रकरण में यदि तहसीलदार का कोई लेना-देना नहीं तो उन्हें खबर से दूर रखने के लिए क्यों पैरवी हो रही है? कई ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं जिनसे यह कहलवा जा रहा है,खबर के प्रकाशन से पहले स्थानीय जिला प्रतिनिधि भी उनके सुर में सुर मिलाते हुए उसी लाइन में खड़े हो गए,खबर स्थानीय जिला प्रतिनिधि सहित कई ऐसे व्यक्तियों का फोन आया जिन्होंने यह कहा कि देख लेना,प्रश्न यह कि आखिर किसे देखे? जो दिखा जो समझ आया कि जो न्याय के लिए पदस्थ है वह अपने काम में ईमानदार नहीं,यही प्रकरण किसी प्रभावी व्यक्ति का नहीं होता तो क्या यही तहसीलदार ऐसा काम करता? पटना तहसीलदार का यह फैसला सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने के लिए किया गया फैसला है जो गलत के पक्ष में लाभ पहुंचाना साबित करता है। तहसीलदार ने सब कुछ जानते हुए भी जमीन का फैसला ऐसे व्यक्ति के पक्ष में सुनाया जो मृतक के अंतिम संस्कार में भी सभी मौके पर मौजूद नहीं था। भूमि रजिस्ट्री के साथ नामांतरण तो हो गया पर इस प्रकरण में यदि तहसीलदार का कोई लेना-देना नहीं तो उन्हें खबर से दूर रखने के लिए क्यों पैरवी हो रहा? कई ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है जिनसे यह कहलवा जा रहा है। खबर के प्रकाशन से पहले कई व्यक्तियों का फोन आया उन्होंने यह कहा कि देख लेना। प्रश्न यह कि आखिर किसे देखे? जो दस्तावेज दिखा,शिकायतकर्ता ने बताया तो समझ आया कि जो न्याय के लिए पदस्थ है वह अपने काम में ईमानदार नहीं। यही प्रकरण किसी ऐसे व्यक्ति का होता जो न तो पैसा दे पता,न तो नेतागिरी तब क्या यही तहसीलदार ऐसा काम करता?

एक जमीन के दो वसीयत एक में हस्ताक्षर तो दूसरे में अंगूठा, एक शपथ आयुक्त, दूसरे में शपथ तक नहीं

इसी तारतम्य में शिकायतकर्ता ने दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि मृतक गंगाराम ने अपने जीते जी 2018 में वसीयत बनाया जो शपथ के द्वारा सत्यापित है। जिसमें गंगाराम के नाम में दर्ज समस्त भूमि का प्लाट नंबर और खसरा नंबर के साथ उल्लेख है और इन तमाम भूमि को रोहित रजवाड़े के नाम किया गया। पर चौंकाने वाला तथ्य तब आया जब गंगाराम के मृत्यु 03.02.2023 में हुआ तो दूसरा दावेदार रमेश ने दावा किया कि उसके पास भी वसीयत है और गंगाराम ने उसे स्टेट हाईवे से लगा 20 डिसमिल का प्लॉट उसे दिया है। जब यह विवाद गहराया तो पूरा मामला पटना तहसील न्यायालय पहुंचा पर राजस्व में जैसा होता चला आ रहा है ठीक वैसा हुआ। जबकि प्रथम दृष्टि में दोनों वसीयत देखने पर पता लगता है कि 2018 में बना वसीयत सत्य के करीब है वहीं गंगाराम के ठीक मृत्यु के 3 दिन पहले बना वसीयत कई खामियां है। एक तो यह वसीयत बिना शपथ आयुक्त है सामान्य स्टांप में सिर्फ एक प्लाट की भूमि दर्ज है जो स्टेट हाईवे में है। और गंगाराम का यही वह जमीन है जो महंगी है। इस वसीयत के एक और बात मोटे तौर में समझ आई कि पूर्व के वसीयत में गंगाराम के हस्ताक्षर है तो मृत्यु के तीन दिन पहले बने वसीयत में अंगूठे का निशान है। इसी बात को शिकायतकर्ता रोहित ने बताया कि गंगाराम मृत्यु से पहले लकवाग्रस्त थे और उनका पूरा देखरेख मेरे द्वार किया जा रहा था। इस बीच रमेश ने एक बार भी घर नहीं आया तो कैसे गंगाराम मरने से पहले अंगूठा लगा सकता है जबकि वह अपने पूरे जीवनकाल में हस्ताक्षर किया। इन तमाम बातों को तहसीलदार ने नजरअंदाज किया और अंततः भूमि को रमेश के नाम कर भूमि विक्रय करने के मदद किया।

CMYK

अगर एआई मेरी आवाज के गाने बनाएगा,तो मैं केस कर दूंगा:शान

तकरीबन 25 सालों से सिंगिंग के क्षेत्र में एक्टिव रहे गायक शान को अपने चाहने वालों का बेहद प्यार मिला है। तनहा दिल,चांद सिफारिश,मुसु मुसु हासी,हे शोना,बहती हवा सा था वो,बम बम बोले मस्ती में डोले जैसे लोकप्रिय और सुपरहिट गाने देने वाले शान इन दिनों चर्चा में हैं फॉरएवर किशोर शान से जैसे लाइव कॉन्सर्ट से...

आपके पिता संगीतकार थे और अब आपकी गायकी के बाद आपके बेटे माही और सोहम भी आपकी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं?

मेरे दादाजी भी संगीतकार थे,तो यही कहूंगा, मिले जो कड़ी कड़ी, एक जंजीर बने हमारी चार पीढ़ियों तक तो संगीत की विरासत कायम है और चाहता हूं ये हमेशा बनी रहे। सच कहूं, तो ये प्लानिंग तो कत्तई थी ही नहीं। मैं जब छोटा था, तब मैं नहीं चाहता था कि मैं म्यूजिक के क्षेत्र में आऊं, क्योंकि मेरे दादाजी के बाद पिताजी की भी भी काफी स्ट्रगल रही, तो मैं नहीं चाहता था कि मैं भी उसी स्ट्रगल में खत्म हो जाऊं। मैंने बच्चों पर कभी भी म्यूजिक को प्रोफेशन बनाने का दबाव नहीं डाला, मगर बच्चों को इसी फील्ड में आना था और आज मेरा बेटा माही जहां सिंगर बन गया है, वहीं दूसरा बेटा सोहम संगीत की दुनिया से जुड़ा है।

अपने करियर में आपने मुश्किल दौर क्या झेला?

पिछले 6-7 साल से मेरा करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। गाने रिकॉर्ड तो करता हूं, लेकिन या तो फिल्म रुक जाती है या सिचुएशन बदल जाती है और गाने का कुछ होता ही नहीं। एक ज्योतिषी ने भी कहा था कि मेरा सिंगिंग का संयोग खत्म हो गया है और शोज करने चाहिए। शानू दा (कुमार शानू) ने समझाया कि ऐसी बातों पर ध्यान न दूं। अब मैं हर उस दरवाजे पर खटखटा रहा हूं जो खुलता नहीं, लेकिन जहां मौका मिलता है, वहां गा रहा हूं–छोटी फिल्मों, चैनलों, दुर्गा पूजा जैसे उत्सवों और शोज में।

हाल ही में हमने सैयारा के गाने को एआई के जरिए किशोर दा की आवा में सुना, आपएआई को निकट भविष्य में खतरा मानते हैं?

मुझे इसी बात का अफसोस है। जिन लोगों ने भी ये किया, उन्होंने बहुत ही चतुराई से उसे ब्लैक एंड वाइट में किया, उन्हें तो व्यूज भी मिल गए। कई बच्चों को ये भी लग रहा है कि ये तो किशोर दा का गाया हुआ पुराना गाना है। मैंने तो ऐसे भी कमेंट्स पढ़े कि उन्हें ये गाना ओरिजिनल से ज्यादा अच्छा लग रहा है। देखिए,आप आवाज को ऑटोट्यून करके बदल सकते हैं। मुझे ये खतरे से ज्यादा लीगल मुद्दा लगता है। अगर कल को मुझे अपने जैसी आवाज में कोई ऐसा गाना मिले, जो मैंने गाया नहीं है,तो मैं उन पर केस कर सकता हूं। चूंकि एक गाने से म्यूजिक कंपनीज भी जुड़ी रहती हैं, तो एआई के जरिए आप गाने क्रिएट कर रहे हो, तो समस्या में पड़ सकते हो।

आपकी पत्नी राधिका किस तरह से आपकी जिंदगी का आधार स्तंभ हैं?

मैं यही कहूंगा कि मैं वो पतंग हूं, जिसकी डोर राधिका के हाथों में है। उसे पता है, कहां ढील देनी है और कहां पकड़ना है? वो मुझसे 6 साल छोटी हैं, तो जब हमारी शादी हुई थी, तब मुझे लगता था कि मैंने दुनिया ज्यादा देखी है, मगर जल्दी समझ में आ गया कि उनकी सिक्स्थ सेन्स ज्यादा प्रबल होती है। वो मेरे बारे में मुझसे ज्यादा सोचती हैं,तो मुझे उनकी सोच पर पूरा भरोसा है।

आप फॉरएवर किशोर शान जैसे शो से जुड़ने को क्यों प्रेरित हुए और लीजेंड घायल किशोर कुमार के साथ कोई प्यारी याद भी है?

मैंने देखा है कि पिछले 3-4 सालों में रब्बानी और नमिता, जो मेरे गुरु गुलाम मुस्तफा खान साहब के बहू-बेटे हैं,ने कई बड़े शोज क्यूरेट किए हैं। उन्होंने मुझे इस लाइव कॉन्सर्ट से जुड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मुझे लगा कि किशोर दा को ट्रिब्यूट देते हुए एक ऐसा संगीतमय गुलदस्ता पेश करूं, जो यादगार बन जाए। मैंने उन गानों को नॉस्टैल्जिक और आर्केस्ट्रा वाला फील न देकर आज के यूथ से जोड़ना चाहता हूं। मेरे पिता म्यूजिक कंपोजर हुआ करते थे, तो किशोर दा ने पिताजी के लिए गाना गाया था। मैंने उन्हें लाइव गाते हुए देखा है। मैं उस वक्त 12 साल का रहा होऊंगा। वो मेरे पिताजी की आखिरी रिकॉर्डिंग थी। मैं बहुत ही भाग्यवान मानता हूं खुद को कि मैंने रफ़ी साहब (मोहम्मद रफी) को भी लाइव गाते हुए देखा है। किशोर दा के साथ प्यारी याद यही थी कि मेहबूब स्टूडियो में गाने की रिकॉर्डिंग थी। बंगाली गाना था,काले सिल्क की लुंगी और कुर्ता पहना था उन्होंने। बारिश हो रही थी और मेरे पिताजी और किशोर दा एक ही छाते में चलते हुए जा रहे थे।

अगर स्क्रिप्ट अच्छी नहीं बनी तो मैं इसे नहीं बनाऊंगा,हेरा फेरी 3 तभी बनाएंगे,जब यह पहले पार्ट के बराबर मजेदार होगी:प्रियदर्शन

फिल्म 'हेरा फेरी 3' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी लीड रोल में होंगे। हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने कहा कि अगर स्क्रिप्ट सही होगी,तो ही वह फिल्म हेरा फेरी 3 बनाएंगे। प्रियदर्शन ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा कि मैं तीसरा पार्ट कर रहा हूं, जब तक कि मैं ऐसी फिल्म नहीं बना लूं जो पहले पार्ट के बराबर हो। अगर मैं तीसरा पार्ट बनाऊं, तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह पहले पार्ट को देखने वाले लोगों के लिए मजेदार और सही हो। जब तक पूरी फिल्म नहीं होती, मैं तीसरा पार्ट शुरू नहीं करूंगा। उन्होंने आगे कहा, अगर स्क्रिप्ट मेरी उम्मीद के अनुसार अच्छी नहीं बनी, तो मैं फिल्म नहीं बनाऊंगा। मैंने अपने करियर में कुछ ऊंचाइयां हासिल की हैं, जहां से मैं बुरी तरह गिरना नहीं चाहता। दरअसल, फिल्म हेरा फेरी 3 बीते साल अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ अनाउंस हुई थी। सभी कलाकारों ने इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। वहीं, अक्षय ने हेरा फेरी फ्रेंचाइजी के राइट्स खरीदे थे। इस साल मई के महीने में अचानक परेश रावल ने घोषणा की कि वह फिल्म छोड़ रहे हैं। इसके बाद अक्षय कुमार की

प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल को लीगल नोटिस भेजा और लगभग 25 करोड़ रुपए हर्जाने की मांग की थी। वहीं, परेश रावल ने 11 लाख रुपए का साइनिंग अमाउंट ब्याज सहित लौटा दिया था। फिर कुछ दिनों के बाद जून के महीने में परेश रावल ने फिल्म में वापसी करने की पुष्टि की।

इसके बाद से ही खबरें थीं कि लीगल नोटिस और फिल्म छोड़ने की खबरें पब्लिसिटी स्टंट हैं। हालांकि, अक्षय कुमार ने इस पर सफाई दी थी। जब अक्षय कुमार से पूछा गया था कि क्या परेश रावल का फिल्म छोड़ना पब्लिसिटी स्टंट था। इसके जवाब में एक्टर ने कहा था कि नहीं, ये पब्लिसिटी स्टंट नहीं था। ये लीगल हो गया था। जब लीगल चीजें इन्वॉल्व होती हैं, तो हम इसे पब्लिसिटी स्टंट नहीं कह सकते। ये रियल था। अक्षय ने आगे कहा था, लेकिन अब सब कुछ ठीक हो गया है। जल्द ही एक अनाउंसमेंट हो सकती है। हां, कुछ ऊंच-नीच जरूर हुई थी, लेकिन अब सब ठीक हो चुका है और हम फिर साथ आ चुके हैं और हमेशा साथ रहेंगे। बस इतना ही।

आर्यन ने कभी महसूस नहीं कराया कि वह सुपरस्टार का बेटा है:राघव जुयाल

पहले अपनी स्लो मोशन डांसिंग,फिर मजाकिया अंदाज वाली होस्टिंग का हुनर दिखा चुके राघव जुयाल अब लोगों को फिल्म दर फिल्म अपनी एक्टिंग का कायल बना रहे हैं। इन दिनों वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने टपोरी अंदाज के लिए वाहवाही बटोर रहे राघव से हमने की खास बातचीत। किल, ग्यारह ग्यारह और युध्रा जैसे प्राजेक्ट्स में अपनी अदाकारी का जलवा दिखा चुके डांसर टर्न एक्टर राघव जुयाल इन दिनों आर्यन खान निर्देशित वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए चर्चा में हैं। सीरीज में उनकी बिंदास एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आ रही है। राघव का कहना है कि यह सीरीज करते हुए उन्हें खुद भी बहुत समय बाद एक अलग सी ताजगी महसूस हुई।

हमारी राय को खुले दिल से सुनते थे आर्यन

बकौल राघव, इस शो को करते हुए बहुत समय बाद एक ताजगी वाला अहसास हुआ, क्योंकि आर्यन का टेक बहुत नया था। कुछ अलग हो रहा था। जो सालों से चला आ रहा है, वैसा नहीं हो रहा था। हम सबकी साझेदारी भी बहुत थी कि लक्ष्य कुछ बोल रहा था, मैं कुछ बोल रहा था, तो बड़ा मजेदार प्रॉसेस था। सेट पर बहुत ही यंग एनर्जी थी। आम तौर पर जब डायरेक्टर बहुत अनुभवी होता है, तो हमें

अपनी राय देते वक्त झिझक होती है कि बोलूं या ना बोलूं, लेकिन आर्यन हमारी ओपिनियन को लेकर बहुत ओपन था। उसने हमें बिल्कुल भी ऐसा महसूस नहीं कराया कि वह दुनिया के सबसे बड़े सुपरस्टार का बेटा है। हमें बिल्कुल बराबरी का दर्जा दिया, जो हर सेट पर होनी चाहिए। वहां काम करते हुए बहुत सम्मानजनक महसूस होता था। ऐसा लगता था कि शाहरुख (खान) सर और आर्यन समझ जाते हैं कि एक्टर क्या सोच रहा है। शाहरुख सर बिना बताए ये समझते थे कि हम यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत कर रहे हैं, क्योंकि वह खुद उस इससे गुजरे हैं। वही तहजीब, वही सोच उन्होंने आर्यन को दी है तो वो सम्मान वाला माहौल मुझे बहुत पसंद आया। ऐसे में, आप 25 घंटे करा लो, डबल शिफ्ट करा लो, हम कभी मना नहीं करेंगे।

हीरो इंसान लगे, जीआईजो नहीं

राघव बॉलीवुड की बेहतरी के लिए एक बदलाव जरूरी मानते हैं और वह है अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियां सुनाना। उनका कहना है कि हमें अपनी जड़ों से जुड़ी हुई फिल्में बनानी चाहिए। जैसे, बैड्स ऑफ बॉलीवुड में हमने बिना किसी डर के एक नई चीज दिखाई है। ऐसा नहीं कि ये फॉर्मूला चल रहा है तो यही बनाएंगे। आर्यन और हम बिल्कुल रॉ कॉन्टेंट लेकर आए हैं और हमने यह हिंदुस्तान की जनता के लिए बनाया है, सिर्फ शहरी-टाउन के लिए नहीं बना रहे हैं। जैसे, साउथ की रीजनल फिल्में जब हम देखते हैं तो वे वहां की ट्राइबल चीजें,अपनी संस्कृति की चीजें दिखाते हैं। उनका हीरो देखकर भी लगता है कि कोई इंडियन आदमी देख रहे हैं तो एक रिलेटेबिलिटी फैक्टर लगता है। विजय दलपति या विजय सेतुपति को देखो तो लगेगा कि हां,ये इंसान लग रहे हैं। ऐसा नहीं कि कहीं से जीआईजो या बार्बी डॉल आ गई तो मुझे लगता कि इस चीज पर हमें भी काम करना चाहिए, जिससे देखने वालों को एक जुड़ाव महसूस हो।

हर एक्टर के डीएनए में शाहरुख खान

राघव पर सीरीज के निर्माता और सुपरस्टार शाहरुख खान का क्या प्रभाव रहा है? इस पूछने पर उन्होंने कहा, यहां बाहर से जो भी एक्टर बनने आता है, उसके डीएनए में 90 पर्सेंट शाहरुख खान होता ही होता है, क्योंकि उन्होंने हम सबके लिए ये रास्ता खोला है कि भाई ये हो सकता है। आप बाहर से आकर भी सबसे बड़े सुपरस्टार बन सकते हैं। वहीं, किल में लक्ष्य के दुश्मन से इस शो में उनके जिगरी यार वाले रोल को लेकर राघव बताते हैं, हम किल के दौरान भी दोस्त ही थे। स्क्रीन पर भले हम दुश्मन थे, पर ऑफ स्क्रीन दोस्ती ही थी। हमारी वही ऑफ स्क्रीन दोस्ती इस शो में ऑनस्क्रीन हो गयी है।

खेल समाचार

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा आज वर्चुअल एलिमिनेटर,हारने वाली टीम होगी टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान को भारतीय के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह हार पाकिस्तान के लिए एक झटका जरूर है, लेकिन उनकी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। अब पाकिस्तान का अगला और अहम मुकाबला आज श्रीलंका के खिलाफ होने वाला है, जिसे जीतना उनके लिए करो या मरो की स्थिति बन गया है। यह मुक़ाबला श्रीलंका और पाकिस्तान दोनों के लिए वर्चुअल एलिमिनेटर जैसा होगा। जो भी टीम यह मुक़ाबला हारेगी वह एशिया कप 2025 से बाहर हो जाएगी।

श्रीलंका को सुपर 4 के पहले मुक़ाबले में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमों के लिए इस मैच में जीत न केवल उनकी फाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखेगी, बल्कि उनके नेट रन रेट को सुधारने का मौका भी देगी। श्रीलंका की टीम भी इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में है, और उनके पास मजबूत बल्लेबाजी और गेंदबाजी लाइन-अप है। ऐसे में पाकिस्तान को अपने

पूरे दमखम के साथ उतरना होगा। पाकिस्तानी कप्तान को इस मैच में अपनी रणनीति पर विशेष ध्यान देना होगा।

बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम को बड़े स्कोर बनाने होंगे, जबकि गेंदबाजों को श्रीलंका के प्रमुख बल्लेबाजों को जल्दी आउट करने की जरूरत होगी। फील्डिंग में भी सुधार जरूरी है, क्योंकि भारत के खिलाफ कुछ कैच छूटने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को न केवल श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी, बल्कि बांग्लादेश को हराने के साथ-साथ अन्य सुपर-4 मुकाबलों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। नेट रन रेट इस टूर्नामेंट में एक बड़ा फैक्टर बन सकता है,और पाकिस्तान को बड़े अंतर से जीत हासिल करने की कोशिश करनी होगी।

डी कॉक वनडे रिटायरमेंट से लौटे

पाकिस्तान के खिलाफ साउथ अफ्रीका टीम में शामिल

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बैटर क्विंटन डी कॉक ने संन्यास से वापसी करने का फैसला किया है। 32 साल के डी कॉक ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उस समय वह 30 साल के ही थे और इस फैसले ने सभी को चौंका दिया था। उन्होंने 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान किया। डी कॉक को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीकी टीम में जगह मिली है। वहीं, टेस्ट कप्तान टेम्बा वबुमा को चोटिल होने की वजह से टेस्ट स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह एडेन मार्करम कप्तानी करेंगे। डी कॉक ने वनडे करियर में अभी तक 155

मुकाबले खेले हैं। इसमें उनके नाम 96.64 की स्ट्राइक रेट से 6770 रन हैं। डी कॉक इस फॉर्मेट में 21 शतक के अलावा 30 अर्धशतक भी लगा चुके हैं।

2023 वर्ल्ड कप में उन्होंने 10 पारियों में 107 की स्ट्राइक रेट से 594 रन बनाए थे। इसमें चार शतक शामिल थे। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद तीसरे नंबर पर रहे। साउथ अफ्रीकी टीम साउथ अफ्रीका को अक्टूबर-नवंबर में पाकिस्तान के दौरे पर जाना है। वहां दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट के अलावा तीन वनडे और इतने ही टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। 12 अक्टूबर से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। इसके बाद 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच होंगे। 4 से 8 नवंबर के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली,22 सितम्बर 2025। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने वाली है, जिसका फाइनल मुकाबला 2 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका मिलकर कर रहे हैं। विश्व कप की शुरुआत से पहले गत विजेता ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने फिर से खिताब जीतने के लिए अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। हीली को पूरा विश्वास है कि टीम में मौजूद ताजा ऊर्जा और अनुभव का मिश्रण एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। हीली ने आईसीसी के लिए अपने कॉलम में लिखा, हमारा समूह अविश्वसनीय रूप से संतुलित है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ पर्याप्त युवा खिलाड़ी हैं। कुछ के लिए यह उनका पहला एकदिवसीय विश्व कप होगा, लेकिन उन सभी को प्रमुख टूर्नामेंटों और उच्च दबाव वाली श्रृंखलाओं का अनुभव है। भारत में खेलने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि हम विश्व कप की अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भारत में आकर बेहद उत्साहित हैं। यह खेलने के लिए एक शानदार जगह है और हम सभी इस जगह से अच्छी तरह वाकिफ़ हैं। इस साल की शुरुआत में चोट से वापसी के बाद हीली ने महत्वपूर्ण मैचों का आनंद लिया है। वापसी के बाद से, हीली ने भारत ए के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही 50 ओवर के मैचों

में हिस्सा लिया है। इसके बाद, पिछले हफ्ते भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 2-1 से वनडे सीरीज़ जीत में कप्तानी की जिम्मेदारी फिर से संभाली। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए घरेलू मैदान पर ए सीरीज खेलने का अवसर मिलना बहुत बड़ी बात थी। चोट से वापसी के बाद कम समय में छह मैच खेलना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि थी। हालांकि,ऑस्ट्रेलिया के ज़्यादातर ग्रुप मैच भारत में खेले जाएंगे,लेकिन इस चरण में वे कम से कम दो मैच श्रीलंका में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमने 2016 के बाद से श्रीलंका में नहीं खेला है, लेकिन हमारे समूह के कई खिलाड़ियों को विभिन्न विकास दौरों के माध्यम से वर्षों से वहाँ का अनुभव है। वहां वापस जाना अच्छा होगा और उम्मीद है कि श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ हमारे मैचों में कुछ सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, इस साल यह एक शानदार टूर्नामेंट होने जा रहा है, लेकिन वनडे विश्व कप के बारे में मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इसमें आप हर टीम के साथ खेलते हैं। आपको ट्रॉफी उठाने के लिए दुनिया की हर टीम को हराना होगा। हम जानते हैं कि हमें पूरे मैच में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा और हर मैच महत्वपूर्ण है। हमारा समूह इस चुनौती का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है और खेलने के लिए उत्सुक है। ऑस्ट्रेलिया टीम महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़...

80 लाख के इनामी 2 नक्सली ढेर

शव और एके-47 समेत कई हथियार बरामद,4 दिन पहले मारे गए थे 4 नक्सली

जगदलपुर,22 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में जवानों ने मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी के 2 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों पर 40-40 लाख रुपए का इनाम घोषित था। जवानों ने दोनों के शव और मौके से हथियार बरामद किया है। मुठभेड़ के अबूझमाड़ के जंगलों में हुई है। नारायणपुर पुलिस के मुताबिक मारे गए नक्सलियों की पहचान राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी के रूप में हुई है। दोनों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 40-40 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

मुठभेड़ की पूरी कहानी

नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन ने बताया कि 22 सितंबर की सुबह से नक्सल मूवमेंट की खबर मिली थी। सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने फायरिंग की, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। दिनभर रुक-रुक कर चली गोलीबारी में नक्सलियों 2 लीडर मारे गए।

हथियारों का जखीरा बरामद

नारायणपुर स्कने बताया कि मुठभेड़ वाली जगह से सुरक्षाबलों ने एक एके-47 राइफल, एक इंसास राइफल, एक बीजीआर लॉन्चर, भारी मात्रा में विस्फोटक, नक्सल साहित्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई है। बरामद सामग्री से माओवादी गतिविधियों के कई अहम सुराग मिलने की भी संभावना है।

आईजी बोले...नक्सल संगठन को तगड़ा नुकसान

बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि केंद्रीय समिति के इन दोनों सदस्यों के मारे जाने से संगठन को बड़ी चोट पहुंची है। दोनों पिछले तीन दशकों से दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति में सक्रिय थे। कई बड़ी हिंसक वारदातों के मास्टरमाइंड रहे हैं। आईजी ने नक्सल कैडरों से अपील की है कि वे अब समझ लें कि यह ऑपरेशन अपने अंतिम दौर में है। हिंसा छोड़कर सरकार की समर्पण और पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं। इससे पहले,18 सितंबर को बीजापुर में 2 और गढ़चिरौली में 2 महिला नक्सली मारे गए थे। खुफिया इनपुट पर जवानों ने ऑपरेशन चलाया गया। एनकाउंटर में गंगालूर एरिया मिलिट्री कमांड सदस्य रघु हपका (33) और पार्टी सदस्य सुक्कु हेमला (32) मारा गया था। रघु पर 5 लाख और सुक्कु पर 2 लाख का इनाम था।

शराब घोटाला...चैतन्य बघेल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

पूछताछ के लिए लगाएगी प्रोडक्शन वारंट आवेदन

रायपुर,22 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने अग्रिम जमानत याचिका सोमवार को रायपुर स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दी है। याचिका खारिज होने के बाद ईओडब्ल्यू ने अब चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी की तैयारी तेज कर दी है। ईओडब्ल्यू ने इससे पहले ही चैतन्य की गिरफ्तारी के लिए प्रोडक्शन वारंट लगाया था। लेकिन उस दौरान चैतन्य के वकील की ओर से हाईकोर्ट में गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी लगाई थी। हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट जाने की सलाह दी थी। स्पेशल कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब ईओडब्ल्यू की ओर से जल्द ही कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट एप्लिकेशन लगाया जाएगा। चैतन्य के खिलाफ शराब घोटाला, कोल लेवी, महादेव सट्टा ऐप और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच चल रही है। चैतन्य बघेल की 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तारी हुई थी,तब से रायपुर जेल में बंद है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले:ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ईडी के मुताबिक

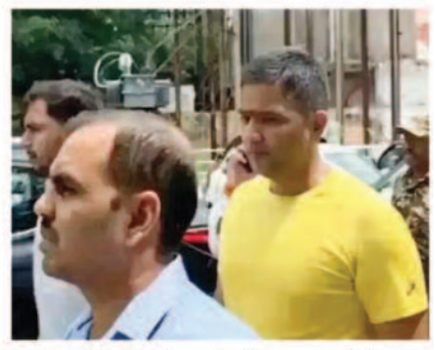

चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

सौम्या चौरसिया का निज सचिव जयचंद कोसले गिरफ्तार

रायपुर,22 सितम्बर 2025। कोयला घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने बड़ी कार्यवाही की है, रविवार को रेड कार्यवाही के बाद जयचंद कोसले को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है, सौम्या चौरसिया का निज सचिव रहकर कोयला घोटाले से 50 लाख रुपए कमाने का आरोप है, ईओडब्ल्यू ने आरोपी जयचंद को कोर्ट में पेश किया है, ईओडब्ल्यू ने 14 दिन की पुलिस रिमांड का आवेदन दिया है, एसीबी/ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट मे पेश किया गया है। बता दें कि ईओडब्ल्यू की टीम ने रविवार सुबह सहायक खनिज संचालक के पुत्र जयचंद कोसले के रायपुर और अकलतरा स्थित घरों पर भी दबिश दी थी। देर रात तक कार्रवाई जारी रही। जयचंद लंबे समय से जांच एजेंसी की निगरानी में था। वह पूर्व सीएम की उप सचिव सौम्या चौरसिया का करीबी माना जाता है। जांच में यह भी सामने आया कि अवैध कोयला परिवहन से मिलने वाला पैसा जयचंद के जरिए सौम्या तक पहुंचता था। जयचंद ने ही सौम्या का लगभग 50 करोड़ निवेश किया था। उसे खुद भी इस कारोबार से 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई हुई। उसने रायपुर के सेजबहार कॉलोनी में आलीशान मकान और अकलतरा के अंबेडकर चौक के पास पैतृक घर सहित करोड़ों की संपत्ति खड़ी की है। जयचंद से ईडी भी कई बार पूछताछ कर चुकी है।

सीबीआई की गिरफ्त में सीजीपीएससी घोटाले के 12 आरोपी

रायपुर,22 सितम्बर 2025। सीजीपीएससी घोटाला मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों को आज सीबीआई की विशेष कोर्ट में पेश किया गया है। पांचों आरोपी पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक,पीएससी के सचिव रहे पूर्व आईएएस जीवनलाल ध्रुव, सुमीत ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आदिल को सीबीआई ने गिरफ्तार किया। कोर्ट ने तीन दिन की रिमांड पर सभी को सीबीआई रिमांड पर सौंपा था। आज रिमांड पूरी होने पर फिर से सभी को कोर्ट में पेश किया गया है. सीजीपीएससी घोटाले में सीबीआई ने आज लोक सेवा आयोग की परीक्षा नियंत्रक रही आरती वासनिक, पीएससी के सचिव रहे पूर्व आईएएस जीवनलाल ध्रुव

और उनके बेटे सुमित ध्रुव समेत निशा कोसले, दीपा आदिल को गिरफ्तार किया था. इससे पहले 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई ने 18 नवंबर को तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 जनवरी को पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें नितेश सोनवानी (तत्कालीन अध्यक्ष के भतीजे, डिप्टी कलेक्टर के रूप में चयनित) और ललित गणवीर (तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक, सीजीपीएससी) शामिल हैं. इसके अतिरिक्त, 12 जनवरी को शशांक गोयल और भूमिका कटियार (दोनों डिप्टी कलेक्टर पद के लिए चयनित) और साहिल सोनवानी (डिप्टी एसपी पद के लिए चयनित) को गिरफ्तार किया गया। वर्तमान में सभी आरोपी जेल में बंद हैं। सीजीपीएससी घोटाला छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया में 2020 से 2022 के बीच हुई अनियमितताओं से जुड़ा मामला है। आरोप है कि इस दौरान आयोजित परीक्षाओं और साक्षात्कारों में योग्य अभ्यर्थियों की उपेक्षा कर, प्रभावशाली राजनेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के करीबियों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी तथा अन्य उच्च पदों पर चयनित किया गया। इस घोटाले ने प्रदेश की भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए। छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपी गई। जांच एजेंसी ने छापेमारी कर कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए और पूर्व अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी,तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया। वर्तमान में यह मामला न्यायिक प्रक्रिया में है।

जमीन रजिस्ट्री के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने के दिन गए,बिचौलियों के मंसूबे पर विष्णुदेव सरकार ने फेरा पानी

रायपुर,22 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में भूमि रजिस्ट्री की पुरानी व्यवस्था बेहद जटिल और समय लेने वाली थी। एक साधारण रजिस्ट्री कराने में नागरिकों को कई-कई दिन दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। फाइलें हफ्तों तक पड़ी रहती थीं और काम पूरा होने में महीनों लग जाते थे। इस प्रक्रिया में बिचौलियों का दबदबा इतना ज्यादा था कि बिना उनकी मदद के आम आदमी का काम निकलना लगभग असंभव हो जाता था। सीएम विष्णुदेव साय की सरकार ने भूमि रजिस्ट्री समस्या को पहचानते हुए भूमि रजिस्ट्री को पूरी तरह डिजिटल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। कम्प्यूटरीकृत रजिस्ट्री प्रणाली, मोबाइल एप,आधार-पैन इंटीग्रेशन, माय डीड मॉड्यूल और जियो-रेफ्रेंशिंग जैसी आधुनिक तकनीकें इस सुधार की रीढ़ बनकर उभरीं। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि नागरिक सशक्तिकरण और

सुशासन की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। दस्तावेजों की गड़बड़ी भी एक बड़ी समस्या थी। खसरा-खतौनी में गलत एंट्री, नकली बिक्री पत्र, फर्जी हस्ताक्षर और एक ही जमीन की दोहरी बिक्री जैसी घटनाएँ आम थीं। इससे न केवल किसानों और आम नागरिकों को परेशानी होती थी बल्कि लंबी मुकदमेबाजी भी खड़ी हो जाती थी। ग्रामीण और दूरदराज के लोग अपनी रजिस्ट्री कराने के लिए कई बार 100 से 200 किलोमीटर तक का सफर तय करते थे। इसमें उनका समय,श्रम और धन तीनों की बर्बादी होती थी।पारदर्शिता की कमी सबसे बड़ी खामी थी। नागरिकों को यह भी पता नहीं चलता था कि उनकी फाइल किस स्थिति में है। बार-बार दफ्तर जाकर जानकारी लेनी पड़ती थी और हर बार नए बहाने सुनने को मिलते थे। परिणामस्वरूप, आम जनता में व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहराता जा रहा था और भूमि विवादों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। राज्य सरकार ने भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और ई-गवर्नेंस मॉडल को अपनाया है। अब नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की बजाय,घर बैठे ऑनलाइन रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध है। इस पहल ने न केवल समय और धन की बचत की है बल्कि पारदर्शिता भी सुनिश्चित की है। सरकार ने नागरिकों की सुविधा के लिए सुगम मोबाइल एप तैयार किया है। इस एप के जरिए लोग रजिस्ट्री की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं,आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं और हर चरण की जानकारी समय-समय पर प्राप्त कर सकते हैं। यह ऐप नागरिकों को सीधा सिस्टम से जोड़ता है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त करता है। छत्तीसगढ़ ने भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है।

कार ने बुलेट को मारी टक्कर,युवक की मौत

बिलासपुर,22 सितम्बर 2025। बिलासपुर में तेज रफ्तार कार ने बुलेट सवार युवक को टक्कर मार दी,जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक देर रात घर लौट रहा था, तभी अनियंत्रित कार ने उसे अपने चपेट में ले लिया। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मोपका के राधा विहार कॉलोनी निवासी सौम्य शर्मा (22) प्राइवेट जॉब करता था। सोमवार की रात वो किसी काम से निकला था। रात करीब 12.30 बजे अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जब वह अशोक नगर चौक स्थित आरके पेट्रोल पंप के पास पहुंचा था,तो तेज रफ्तार कार ने उसकी बुलेट को टक्कर मार दी।

अपोलो अस्पताल में हुई युवक की मौत : इस हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। जहां बाइक सवार युवक

खून से लथपथ बेहोश पड़ा था। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस के साथ ही युवक के परिजन को दी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अपोलो अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के जीजा शिवराज शिवा पांडेय ने मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की। हालांकि, पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर कार को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

छात्रों के लिए खुशखबरी:मिलेगी 64 दिनों की छुट्टियां,शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर,22 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए अवकाश का कैलेंडर जारी कर दिया है। इस बार छात्रों को कुल 64 दिन की छुट्टियां मिलेंगी। इसमें दशहरा और दीपावली पर 6-6 दिन की छुट्टी शामिल है। जारी आदेश के मुताबिक, दशहरा अवकाश 29 सितंबर से 4 अक्टूबर तक रहेगा। वहीं, दीपावली की छुट्टियां 20 से 25 अक्टूबर तक तय की गई हैं। दोनों त्योहारों में छात्रों को लगातार 6-6 दिन का अवकाश मिलेगा। वहीं शीतकालीन अवकाश 22 दिसंबर से 27 दिसंबर तक (6 दिन), ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई 2026 से 15 जून 2026 तक (कुल 46 दिन),इस प्रकार इस शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को कुल 64 दिनों का अवकाश मिलेगा। आदेश मंत्रालय, महानदी भवन,नवा रायपुर से जारी किया गया है और यह राज्य की सभी शैक्षणिक संस्थाओं पर लागू होगा।

तीसरी बार सरेंडर करने कोर्ट पहुंचे रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला

रायपुर,22 सितम्बर 2025। पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक शुक्ला तीसरी बार सरेंडर करने कोर्ट पहुंचे।ईडी के अधिकारियों की मौजूदगी में कोर्ट में अभी सरेंडर करने की प्रक्रिया जारी है। सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ जवान भी तैनात किए गए हैं। आपको बता दें कि 3 दिन पहले 19 सितंबर को भी आईएएस आलोक शुक्ला कोर्ट सरेंडर करने पहुंचे थे लेकिन ईडी के वकील केस डायरी लेकर नहीं पहुंचें तो उन्होंने कोर्ट से समय मांगा था। आलोक शुक्ला गुरुवार18 सितंबर को भी कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन कोर्ट ने सरेंडर कराने से इनकार कर दिया था। बता दें कि नान घोटाला मामले में रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी, मगर ईडी ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। ईडी ने कोर्ट में बताया था कि आरोपियों ने 2015 में दर्ज नान घोटाला मामले और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की थी। हमारी जांच अभी पूरी नहीं हुई है। जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने सुनवाई के बाद हाईकोर्ट से आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा को मिली अग्रिम जमानत को रद्द कर दी। कोर्ट ने ईडी की कस्टडी के लिए आदेश जारी किया। कोर्ट के आदेश के अनुसार पहले 2 हफ्ते ईडी की हिरासत और उसके बाद 2 हफ्ते न्यायिक हिरासत में रहना होगा। इसके बाद ही उन्हें जमानत मिल सकती है। साथ ही जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने ईडी और ईओडब्ल्यू को जांच पूरी करने के लिए 2 महीने की समय सीमा दी है। बता दें कि नान घोटाला फरवरी, 2015 में सामने आया था, जब एसीबी/ईओडब्ल्यूने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने वाली नोडल एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम के 25 परिसरों पर एक साथ छापे मारे थे।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,22 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी के छेरी-खेड़ी में आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव में हिस्सा लिया और समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर भगवान अग्रसेन की जयंती का उत्सव मनाया।

कार्यक्रम में राज्यभर से बड़ी संख्या में नागरिक और गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन स्थानीय सामाजिक और धार्मिक संगठनों के सहयोग से किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समारोह में दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना में भाग लिया। इसके अलावा, उन्होंने भगवान अग्रसेन के जीवन, उनके योगदान और समाज में अहिंसा, समानता और सेवा के संदेश पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि भगवान अग्रसेन का संदेश आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने सामाजिक सौहार्द, आर्थिक समानता और हर वर्ग के विकास पर जोर दिया। साय ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों को प्रोत्साहित करती रहेगी, जिससे युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और ऐतिहासिक ज्ञान की भावना बढ़े।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और सहभागिता : महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भजन-कीर्तन, नाट्य-प्रस्तुति और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। छेरी-खेड़ी के स्थानीय कलाकारों और छात्रों ने भाग लिया और भगवान अग्रसेन के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित रंगारंग प्रस्तुति दी।

ओलंपिक से बस्तर की दशा और दिशा बदली,विश्व मानचित्र पर बनेगी अलग पहचान : उपमुख्यमंत्री साव

रायपुर,22 सितम्बर 2025। बस्तर संभाग में आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक के लिए आज से पंजीयन प्रारंभ हो गया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज दंतेवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में इसकी औपचारिक शुरूआत की। बस्तर ओलंपिक के दौरान आयोजित होने वाले खेलों में भाग लेने के लिए खिलाड़ी 20 अक्टूबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। बस्तर ओलंपिक का विकासखंड स्तर पर आयोजन 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक, जिला स्तरीय आयोजन 5 नवम्बर से 15 नवम्बर तक तथा संभाग स्तरीय आयोजन 24 नवम्बर से 30 नवम्बर तक किया जाएगा। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप और विधायक श्री चैतराम अटामी भी पंजीयन के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन की शुरूआत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष आयोजित बस्तर ओलंपिक से बस्तर की दशा और दिशा बदली है। आने वाले समय में बस्तर विश्व के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा। यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी चमक बिखेरेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले बस्तर ओलंपिक में एक लाख 62 हजार खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया था। इस वर्ष दो लाख खिलाड़ियों के पंजीयन का लक्ष्य

है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी बस्तर ओलंपिक की प्रशंसा की थी। इस आयोजन को पूरे देश में लोकप्रिय बनाना है। बस्तर के हर गांव के हर बच्चे और युवा की भागीदारी इसमें सुनिश्चित करना है। श्री साव ने कार्यक्रम में दंतेवाड़ा जिले में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए पांच करोड़ रुपए देने की घोषणा की। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन का शुभारंभ किया जा रहा है। बस्तर अनेक मामलों में समृद्ध है, चाहे वह खेल हो, संस्कृति हो या अन्य कोई क्षेत्र...बस्तर ने हमेशा अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। बस्तर अपनी अनूठी परंपराओं और रीति-रिवाजों के कारण विशेष महत्व रखता है, जिन्हें हमारे पूर्वज आदिकाल से निभाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। बस्तर ओलंपिक से इन प्रतिभाओं को पहचान और प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में बस्तर ओलंपिक में भाग लेने की अपील की। विधायक श्री चैतराम अटामी और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार ने भी पंजीयन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी,दंतेवाड़ा जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी,उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुंजाम,दंतेवाड़ा नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता,खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम,डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय,जिला पंचायत के सीईओ श्री जयंत नाहटा और डीएफओ श्री सागर जाधव सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)